रांची, बुधवार
22.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 230, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

कैबिनेट : झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 06 से 12 अगस्त तक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 06 से 12 अगस्त तक आहूत होगी । यह निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि मॉनसून सत्र में कुल पांच कार्यदिवस होंगे। कैबिनेट की बैठक में 49 एजेंडों पर मुहर लगी।

कैबिनेट ने सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया, टाइप 1 मधुमेह सहित अन्य गैर-संक्रामक रोगों से प्रभावित और दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों के बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 प्रतिशत आवश्यक उपस्थिति में छूट के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की स्वीकृति दी गई। इस एसओपी के तहत अब बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए ऐसे बच्चों की उपस्थिति 75 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत अनिवार्य होगी।

राज्य के 1000 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 176.07 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जेईपीसी कार्यालय में 02 और पांचों प्रमंडलों के डीआइईटी कार्यालयों में 05 स्टूडियो बनाए जाएंगे। यहां से शिक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बच्चों को पढ़ाएंगे और छात्र सीधे सवाल भी पूछ सकेंगे। सरकार ने आदर्श विद्यालय योजना की अवधि वर्ष 2029-30 तक बढ़ा दी है। इसके अलावा जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, सिद्धू-कानू मुर्मू विश्वविद्यालय और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों का पुनर्गठन किया गया है। वहीं बरही डिग्री कॉलेज का नाम बदलकर डिग्री महाविद्यालय चंदवारा कर दिया गया है।

शेष पेज 11 पर

सुदूरवर्ती स्थानों के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा

राज्य के सुदूरवर्ती स्थानों के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए हेलीकॉप्टलर इंमरजेंसी मेडिकल सर्विस (एचईएमएस) सेवा शुरू की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार सिंगल इंजन वाले हेलीकॉप्टर को किराए पर लेगी। इसका उपयोग दूर-दराज के इलाकों से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने में किया जाएगा। इस सेवा पर हर साल करीब 9.45 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

संक्षिप्त खबरें

सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल भेजा गया

नई दिल्ली। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को मंगलवार शाम यहां के सफदरजंग अस्पताल ने छुट्टी दे दी। उन्हें आगे के इलाज के लिए गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल की चिकित्सकीय टीम को सौंप दिया गया है। सफदरजंग अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आज शाम 6:40 बजे सोनम वांगचुक को आगे के इलाज के लिए गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल की चिकित्सकीय टीम को सौंप दिया गया।बुलेटिन के मुताबिक छुट्टी के समय उनके आवश्यक स्वास्थ्य मानक स्थिर थे। हालांकि, पैनसाइटोपेनिया (रक्त की तीनों प्रमुख कोशिकाओं–लाल रक्त कोशिकाएं, श्वेत रक्त कोशिकाएं और प्लेटलेट्स–की कमी) की स्थिति बनी हुई है। उनका सीरम पोटेशियम स्तर 3.4 एमईक्यू/एल दर्ज किया गया। आगे के उपचार को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए उनकी मेडिकल टीम को सभी जरूरी दस्तावेज, जांच रिपोर्ट और उपचार से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं।

उपराष्ट्रपति आज कोयंबटूर और तिरुप्पुर के दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बुधवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर और तिरुप्पुर का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन 22 जुलाई को कोयंबटूर में जीकेएनएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और संस्थान का उद्घाटन करेंगे। अपने दौरे के दौरान राधाकृष्णन तिरुप्पुर जिले के अविनाशी में स्थित प्रसिद्ध अविनाशी लिंगेश्वरर शिव मंदिर भी जाएंगे, जहां वह पूजा-अर्चना करेंगे।

भारत ने रूसी राजदूत व्लादिमीर लादानोव को तलब किया

नई दिल्ली। भारत ने रूसी मिसाइल हमले में 4 भारतीयों की मौत को लेकर मंगलवार को दिल्ली में रूस के प्रभारी राजदूत व्लादिमीर लादानोव को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं। व्लादिमीर लादानोव से अपने अधिकारियों तक भारत की गंभीर चिंता पहुंचाने को कहा गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना और इसके कारण निर्दोष नागरिकों की जान जाना मंजूर नहीं है और ऐसा नहीं होना चाहिए।

पीएम आवास पर कांग्रेस का प्रदर्शन : राहुल, अखिलेश और प्रियंका गांधी पुलिस हिरासत में

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं ने छात्रों के खिलाफ पुलिस के बल प्रयोग के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया।

बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें बस में बैठाकर ले जाया गया। बस में बैठाने के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रतिरोध भी किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस धरने में शामिल हुए थे।

दरअसल, राहुल गांधी ने छात्रों को न्याय दिलाने के इच्छुक लोगों से इस धरने में शामिल होने का आह्वान किया था। धरना आरंभ होने के कुछ देर बाद प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से धरना खत्म करने का आग्रह किया। सिंह के साथ गृह सचिव गोविंद मोहन भी थे। प्रधानमंत्री के आवास '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरने पर बैठे कांग्रेस नेताओं ने यहां 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो' 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' और 'छात्रों को न्याय दो' के नारे लगाए।

इस धरने में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, पवन खेड़ा और कई अन्य सांसद शामिल हैं। धरना शुरू होने के कुछ देर बाद ही पुलिस ने लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया।

कांग्रेस नेताओं ने धरने के दौरान हाथों में हथकड़ियां पहनकर पुलिस द्वारा छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का सांकेतिक रूप से विरोध किया।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए बिना, किसी नतीजे का सामना किए बिना बच निकलेंगे तो वह ऐसा नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूं जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए, प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों।'' उनका कहना था कि भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास तक मार्च करके पहुंचे हैं, ताकि कल युवा छात्रों के साथ हुई बर्बरता के लिए उनसे जवाब मांगा जा सके। सरकार न तो इस घटना की कोई जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा करना चाहती है।'' उन्होंने कहा, ''भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।'' इससे पहले, राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रियंका गांधी ने कहा, ''हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन विपक्ष को बात नहीं करने दिया जाता। ये सदन उन्हीं युवाओं का है जिन पर सरकार लाठी चला रही है, आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। बच्चों की बात सुनी जाए और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिया जाए। '' इससे पूर्व आज दिन में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचकर घायल छात्रों से मुलाकात भी की थी।

संसद मार्च में बवाल: पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े, 118 जवान घायल, 70 हिरासत में

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' मार्च के दौरान भारी हंगामा हुआ।

जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगह हिंसक झड़पें हुईं। जनपथ, रायसीना रोड और संसद मार्ग पर पथराव, बैरिकेड तोड़ने और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा। दिनभर चले हंगामे के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया लेकिन देर शाम वे फिर लौट आए। इस बीच सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने आंदोलन और संसद मार्च मंगलवार को भी जारी रहने का ऐलान किया। जंतर-मंतर व उसके आसपास पिछली रात से ही इकट्ठा हो रहे प्रदर्शनकारी और उनके समर्थकों की भीड़ मंगलवार शाम तक करीब 16 हजार हो गई।प्रदर्शनकारियों ने पूरे दिन पुलिसकर्मियों को इधर से उधर भगाया। देर शाम तक एनडीएमसी भवन के पास अचानक चार हजार से ज्यादा की भीड़ जमा हो गई। पुलिस बार-बार रोड को खाली करने का अनुरोध करती रही और लोग उग्र होते दिखे। इस बीच प्रदर्शन करने वाले लोगों ने पुलिस टीम पर पानी की बोतल भी फेंकी। इससे पहले सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने बार-बार चेतावनी और कानूनी निदेर्शों के बावजूद लागू धारा-163 का उल्लंघन किया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस का दावा है कि उपद्रव के दौरान 15 से 20 सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हुए, जबकि जनपथ इलाके में कई दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई। हिंसा में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इनमें स्पेशल कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी रैंक के अधिकारी समेत पांच से अधिक आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। कई महिला पुलिसकर्मी भी घायल हुई हैं।

आर्थिक सहयोग भारत-उत्तर मैसिडोनिया संबंधों का प्रमुख आधार : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक सहयोग भारत और उत्तर मैसिडोनिया के द्विपक्षीय संबंधों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश बढ़ाने, कारोबारी सहयोग को मजबूत करने और द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है।

उत्तर मैसिडोनिया की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति गोडार्ना सिलजानोव्स्का-दाव्कोवा के साथ द्विपक्षीय एवं प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों ने सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, औषधि, वस्त्र, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यटन, आतिथ्य तथा फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। भारत-उत्तर मैसिडोनिया बिजनेस फोरम इन क्षेत्रों में नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते का नवीनीकरण किया जा रहा है। साथ ही पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों सहित स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और जन-से-जन संपर्क दोनों देशों के संबंधों की मजबूत नींव हैं। रचनात्मक उद्योग के क्षेत्र में सहयोग सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

मुर्मु ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) जैसी पहलों के माध्यम से वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने इन पहलों से जुड़ने की उत्तर मैसिडोनिया की इच्छा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उसे हरित ऊर्जा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

उन्होंने उत्तर मैसिडोनिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की उत्तर मैसिडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है और उन्हें विश्वास है कि इससे दोनों देशों की बहुआयामी साझेदारी को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान दोनों राष्ट्रपति स्कोप्ये संग्रहालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा का संयुक्त रूप से अनावरण करेंगे, जो दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक होगी।

प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक-2026 का कई सांसदों ने किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में विपक्षी दलों के सांसद सहित कई सामाजिक संगठन लामबंद हो रहे हैं। मंगलवार को ज्वाइंट एक्शन फोरम ऑन माइनोरटी (जेएएफएम) द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय परामर्श बैठक में 100 से अधिक सांसदों, चर्च नेताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और ईसाई संगठनों के नेताओं ने प्रस्तावित एफसीआरए का विरोध किया।

बैठक की अध्यक्षता जेएएफएम के अध्यक्ष और सांसद पी. विल्सन ने की। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक समाज और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के लिए गंभीर चुनौती है और संसद को इसे अस्वीकार करना चाहिए।

बैठक को सांसद कनिमोझी करुणानिधि, जॉन ब्रिटास, संजय सिंह, सिवदासन, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, सांसद कॉन्स्टेंटाइन रविंद्र, यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम के टोको टेकी, इवेंजेलिकल फेलोशिप ऑफ इंडिया के कर्नल एंड्रयू क्रिश्चियन, चर्च और स्वास्थ्य क्षेत्र के कई प्रतिनिधियों ने संबोधित किया। प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से कहा कि यह विधेयक केवल नियामक कानून नहीं बल्कि संवैधानिक स्वतंत्रता, धार्मिक आजादी, संस्थागत स्वायत्तता और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा हमला है।

रांची सहित पूरे झारखंड में मानसून की अच्छी बारिश, किसानों की जगी आस

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में इन दिनों मानसून की अच्छी बारिश हो रही है। अच्छी बारिश होने से राज्य भर के किसानों के बीच अच्छी फसल होने की आस जग गई है।

वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश सरायकेला खरसावां जिले के नीमडीह में 131.4 मिलीमीटर रिकार्ड की गई। वहीं इस दौरान चांडिल में 125.6 मिमी, राजमहल में 105 मिमी, कुरडेग में 46.4 मिमी, बलूमाथा में 83 मिमी, गम्हरिया में 76.2 मिमी, बरही में 73.2 मिमी सहित अन्य जिलों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई।

इधर, रांची में 01 जून से 21 जुलाई तक 426.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। वहीं जमशेदपुर में इस दौरान 346.6 मिमी, डाल्टनगंज में 341.7 मिमी, बोकारो में 288.4 मिलीमीटर और चाईबासा में 431.4 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई।

इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 34.5 डिग्री बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया।

मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। साथ ही इस दौरान मौसम सुहाना बना रहा और मध्य गति की हवा चली।

वहीं, मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 33.4 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 30.2 और न्यूनतम 24.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.1 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मॉनसून सत्र का दूसरा दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ा, दोनों सदनों में नहीं चल सकी कार्यवाही

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का दूसरा दिन भी विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। दोनों सदनों में मंगलवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा जारी रखा जिससे सदन की कार्यवाही कई बार बाधित होने के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा की कार्यवाही आज पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा जिसके कारण कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा की कार्यवाही दो बजे फिर शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने सदस्यों से सदन की मयार्दा बनाए रखने और अपने-अपने स्थान पर बैठने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियम 377 के तहत सदस्यों को जनहित के मुद्दे सदन के पटल पर रखने दिया जाए। इसके लिए करीब 20 मिनट का समय भी दिया गया। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। पीठासीन अधिकारी ने कई बार शांति बनाए रखने और सदन चलने देने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा की कार्यवाही भी विपक्ष के हंगामे के कारण पहले 12 बजे तक और फिर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। कार्यवाही जब 02 बजे फिर शुरू हुई तो उपसभापति हरिवंश ने विपक्षी सदस्यों से कार्यसूची के अनुसार सदन चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सदन में चर्चा के लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए और जो सदस्य अपनी बात रखना चाहते हैं, वे क्रमवार बोलें। उन्होंने सभी सदस्यों से शोर-शराबा नहीं करने और सदन की कार्यवाही में सहयोग देने की अपील की।

इसके बावजूद विपक्षी सदस्य नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में लगातार नारेबाजी करते रहे। हंगामा जारी रहने पर उपसभापति ने कार्यवाही शुरू होने के लगभग एक मिनट बाद ही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

मणिपुर में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 46 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 28 अत्याधुनिक हथियार भी सौंपे

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। प्रतिबंधित संगठन कांगलैपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के 46 सक्रिय कैडरों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह की उपस्थिति में इंफाल ईस्ट जिले के मंत्रिपुखरी स्थित असम राइफल्स (साउथ) मुख्यालय में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। इस दौरान उग्रवादियों ने 28 अत्याधुनिक हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी सुरक्षा बलों को सौंप दी। आत्मसमर्पण कार्यक्रम में राज्य सरकार के गृह मंत्री, कला एवं संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री के अलावा कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। इनमें मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव, सुरक्षा सलाहकार, स्पियर कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), असम राइफल्स (साउथ) के महानिरीक्षक (आईजी), गृह आयुक्त, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी), विधायक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे।

जेपीएससी में कथित अनियमितताओं के खिलाफ भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) रांची महानगर के नेतृत्व में ने मंगलवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) में कथित अनियमितताओं के विरोध में राजधानी रांची में मशाल जुलूस और प्रदर्शन किया गया। जुलूस में बड़ी संख्या में पहुंचे युवाओं ने इस आंदोलन में भाग लेकर आयोग की कार्यप्रणाली के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की।

जयपाल सिंह स्टेडियम से प्रारंभ हुआ मशाल जुलूस युवाओं के अधिकारों और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष के नारों के साथ अल्बर्ट एक्का चौक तक पहुंचा, जहां भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आयोग की परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया में लगातार अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि भाजयुमो झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड लोक सेवा आयोग अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बरतने में विफल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत अभ्यर्थियों द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं की प्रतियां मांगे जाने के बावजूद आयोग उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं करता।

उन्होंने कहा कि जब आयोग प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से परीक्षाओं का आयोजन नहीं करता, तब अभ्यर्थियों की आयु सीमा में कटौती करना युवाओं के साथ अन्याय है। सरकार और आयोग को इस विषय पर गंभीरता से विचार कर युवाओं को न्याय देना चाहिए।

शशांक राज ने यह भी आरोप लगाया कि आयोग वर्षों से नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी नहीं कर रहा है, जिससे अभ्यर्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता बनी रहती है। उन्होंने मांग की कि जेपीएससी प्रत्येक वर्ष समयबद्ध परीक्षा कैलेंडर जारी करे और चयन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाने के लिए सभी परीक्षाओं के कट-ऑफ अंक सार्वजनिक करे।

राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी अब झारखंड लोक सेवा आयोग नहीं बल्कि झारखंड पैसा उगाओ आयोग बनकर रह गया है। उन्होंने दावा किया कि आयोग सरकार के लिए एटीएम की तरह कार्य कर रहा है, जहां कथित रूप से पैसों के बल पर नौकरियां बेची जा रही हैं। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि इन आरोपों में सच्चाई नहीं है, तो सरकार और आयोग को पूरी भर्ती प्रक्रिया सार्वजनिक कर युवाओं के सभी सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के मूलवासी युवाओं के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है और बाहरी लोगों को कथित रूप से लाभ पहुंचाकर झारखंड के युवाओं के सपनों से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजयुमो राज्य के युवाओं के हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक पूरी मजबूती के साथ उठाता रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में भाजयुमो रांची महानगर जिलाध्यक्ष रोमित नारायण सिंह, वरुण साहू, सुबोध सिंह गुड्डू मनीष दुबे प्रिंस कुमार बलराम सिंह राजू सिंह संकेत तिवारी रंजीत नाथ आचार्य तरुण दास तुषार आरव अमित दुबे विक्रम साहू रौनक सिंह राजपूत, सनी सिंह, ललित सहित कई युवा कार्यकर्ता शामिल हुए।

सोनारी के बाबा भूतनाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर कांवरियों का पंजीयन आरंभ

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से 9 अगस्त को आयोजित होने वाली निःशुल्क कांवर यात्रा के पंजीयन का कार्य सोनारी स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर आरंभ हुआ । इसके साथ ही लोगों को संपर्क स्थापित करने हेतु कोई समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए संघ के द्वारा स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर युक्त एक पोस्टर का भी विमोचन किया गया । संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया की पहले आओ पहले पाओ के तर्ज में शिवभक्तों का पंजीयन आरंभ हो गया है 9 अगस्त को जमशेदपुर से 1000 कांवरियों का जत्था सुल्तानगंज रवाना होगा । जिसमें मुख्य रूप से सोनारी, कदमा, विष्टुपुर, साकची और मानगों के शिव भक्त शामिल होंगे । पंजीयन के आरंभ होते सोनारी में पंजीयन करवाने हेतु भारी संख्या में शिवभक्त बाबा भूतनाथ मंदिर में एकत्रित हुए

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकास सिंह, आशुतोष सिंह, कृष्णा सिंह, संजय लाला, किशोर बर्मन,विकास लाल, अरबिंद मिश्रा, शिव शंकर सिंह, कमल नयन दुबे, पप्पू बर्मा, विनय कश्यप , कमलेश सिंह, धीरज कुमार सिंह, राहुल कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए ।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अभियान : ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस

रांची(बिभा): ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस, जिला इकाई रांची ने रांची जिला सहित पूरे झारखंड के नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। संगठन ने कहा है कि एसआईआर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसमें प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। संगठन ने अपने सभी प्रखंड अध्यक्षों, पंचायत अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अनुरोध किया है कि 22 जुलाई 2026 को सभी बूथों पर उपस्थित रहकर बीएलओ एवं राजनीतिक दलों के एजेंटों के साथ पात्र मतदाताओं के गणना फॉर्म भरने के कार्य में पूर्ण सहयोग करें। अपील में कहा गया है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनदेखी, लापरवाही या अन्य किसी कारण से मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संगठन ने सभी कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से रांची जिला पूरे राज्य के लिए एक उदाहरण बन सकता है। ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस ने झारखंड प्रदेश के सभी साथियों से भी एसआईआर अभियान को लोकतंत्र की रक्षा का अभियान मानते हुए निष्ठा, लगन एवं समर्पण के साथ इसमें सहयोग करने की अपील की है। संगठन ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने में प्रत्येक नागरिक का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सूर्य मंदिर में भव्य जलाभिषेक यात्रा 17 अगस्त को

जमशेदपुर(बिभा)। सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में पवित्र श्रावण मास की तृतीय सोमवारी पर आयोजित होने वाली भव्य सामूहिक जलाभिषेक यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को सूर्य मंदिर समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यात्रा को अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास विशेष रूप से मौजूद रहे। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 17 अगस्त को सुबह 7 बजे सभी शिवभक्त बारीडीह हरि मंदिर मैदान में एकत्रित होंगे। वहां से श्रद्धालु जलपात्र में सुल्तानगंज के पवित्र गंगाजल को लेकर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष के साथ पैदल यात्रा प्रारंभ करेंगे। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होकर सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर पहुंचेगी, जहां शिवालय में विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। बैठक में अमरजीत सिंह राजा, कमलेश सिंह, सुशांत पांडा, शैलेश गुप्ता, रूबी झा, कुलवंत सिंह बंटी, कंचन दत्ता, प्रेम झा, राकेश सिंह, टुनटुन सिंह, कुमार अभिषेक, युवराज सिंह, विकास शर्मा, बापन बनर्जी, रॉकी सिंह, मीरा झा, सतीश सिंह, धनराज गुप्ता, कौस्तव राय, सौरव श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे।

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 213वां संगीतमय श्री सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

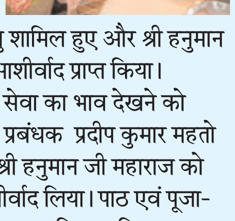

रांची(बिभा) : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत 2083 (मंगलवार, 21 जुलाई 2026) के पावन अवसर पर 213वें श्री सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और श्री हनुमान जी महाराज के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विशेष आकर्षण और सेवा का भाव देखने को मिला। श्री राम लाइफ इंश्योरेंस के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदीप कुमार महतो ने अपने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर श्री हनुमान जी महाराज को नवीन एवं भव्य पोशाक अर्पित कर आशीर्वाद लिया। पाठ एवं पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर राजेश जयसवाल, मनीष साहू, पुष्पा देवी पोद्दार, श्रावण ढांढनिया ने अपनी-अपनी ओर से विशेष सेवाएँ अर्पित कीं। भक्तिमय माहौल में संपन्न हुए इस आयोजन में देर शाम तक भजनों एवं हनुमान चालीसा की चौपाइयों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। अंत में आरती के बाद उपस्थित सभी भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्ति मामला : हाई कोर्ट ने अवमानना कार्यवाही पर लगाई रोक, 12 अगस्त को अगली सुनवाई

बिभा संवाददाता

रांची। स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 की नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े मीना कुमारी मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया है। राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए) पर मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने संबंधित अवमानना याचिका की सुनवाई पर अगले आदेश तक रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार, जेएसएससी और अन्य पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले से जुड़ी सभी लंबित एलपीए को एक साथ जोड़कर सुनवाई करने का निर्देश दिया। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को निर्धारित की है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता अमृतांश वत्स, शेखर प्रसाद गुप्ता और शुभम मिश्रा ने अदालत को बताया कि स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 के तहत 17,786 स्वीकृत पदों के विरुद्ध अब तक केवल 12,046 पदों पर ही नियुक्तियां की गई हैं।

याचिकाकताओं की ओर से यह भी कहा गया कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने योग्य और निर्धारित अर्हता पूरी करने वाले 2,034 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति देने का निर्देश दिया था। उनका तर्क था कि इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति का लाभ मिलना चाहिए।

वहीं, जेएसएससी की ओर से अदालत को बताया गया कि राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश के आलोक में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की है। आयोग का यह भी कहना था कि एकल पीठ का आदेश उच्चतम न्यायालय के पूर्व आदेशों के विपरीत है, इसलिए उसे चुनौती दी गई है।

मामले में जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखा, जबकि राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहित सिन्हा ने अदालत में अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने राज्य सरकार और जेएसएससी को निर्देश दिया कि इस विवाद से संबंधित सभी लंबित अपीलों का विवरण और केस नंबरों की सूची अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाए, ताकि सभी मामलों की एक साथ सुनवाई कर व्यापक निर्णय लिया जा सके।

अदालत के अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल इस मामले से जुड़ी अवमानना कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी, जबकि नियुक्ति विवाद पर विस्तृत सुनवाई अब 12 अगस्त को होगी।

जेपीएससी परिणाम पर भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस, घेराव आज

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा, झारखंड प्रदेश के आह्वान पर 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी, मनमानी रवैये और युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे अन्याय के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा, जमशेदपुर महानगर द्वारा मंगलवार को जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा के नेतृत्व में साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से जुबिली पार्क गोलचक्कर तक मशाल जुलूस सह आक्रोश मार्च निकाला गया। मशाल जुलूस में बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता, छात्र एवं युवा शामिल हुए। हाथों में मशाल और न्याय की मांग को लेकर युवाओं ने राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने जेपीएससी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पेपर लीक एवं परीक्षा में हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने और अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने कहा कि जेपीएससी में व्याप्त भ्रष्टाचार झारखंड के लाखों युवाओं के सपनों, उनके संघर्ष और भविष्य पर सीधा प्रहार है। कहा कि जब तक युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक भाजयुमो का आंदोलन लगातार जारी रहेगा। वहीं, उन्होंने झारखंड प्रदेश के आह्वान पर 22 जुलाई 2026 (बुधवार) को रांची स्थित जेपीएससी कार्यालय घेराव में शहर के छात्र-युवाओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर युवाओं के अधिकार, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

बेड़ो डीएसपी ने मासिक अनुसंधान बैठक में लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

बेड़ो। पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, बेड़ो में मंगलवार को डीएसपी दीपक कुमार की अध्यक्षता में मासिक अनुसंधान बैठक आयोजित की गई। बैठक में बेड़ो अनुमंडल के विभिन्न थानों में दर्ज गंभीर एवं लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए गए।

डीएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को गंभीर शीर्ष कांडों की जांच में तेजी लाने तथा दो वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जेल से रिहा हुए अपराधियों की गतिविधियों पर नियमित निगरानी रखने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने को कहा।

बैठक में पासपोर्ट एवं चरित्र प्रमाण-पत्र से संबंधित सत्यापन कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने पर भी विशेष जोर दिया गया। डीएसपी ने कहा कि आम लोगों से जुड़े सत्यापन कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और सभी मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार, बेड़ो थाना प्रभारी कफिल अहमद, नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुंडू, इटकी थाना प्रभारी, लापुंग थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

जननायक समिति नारायण सेवा के स्थापना दिवस पर सैकड़ों जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जननायक समिति नारायण सेवा के तत्वावधान में आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन स्थित बजरंगबली मंदिर गोलचक्कर के समीप गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भव्य निःशुल्क भोजन सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले सैकड़ों बेसहारा लोगों को प्रेमपूर्वक पूरी, सब्जी, खीर एवं बूंदी का स्वादिष्ट भोजन कराया गया। वहीं बड़ी संख्या में भोजन के पैकेट तैयार कर जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सम्मानित अतिथियों का पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक सह समाजसेवी अंकुश बनर्जी, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता सहित समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि जननायक समिति नारायण सेवा पिछले आठ वर्षों से प्रत्येक वर्ष अपने स्थापना दिवस के अवसर पर इसी स्थान पर जरूरतमंद, बेसहारा एवं असहाय लोगों की सेवा के उद्देश्य से निःशुल्क भोजन वितरण का आयोजन करती आ रही है। समिति का उद्देश्य मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सहायता एवं सहयोग पहुंचाना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी सुनीता मिश्रा, जितेंद्र तिवारी, ललन उपाध्याय, आर.के. पांडेय, जोगिंदर सिंह, मनोरंजन महतो, दीपक कुमार डे, विनोद चतुर्वेदी, गोपाल, संतोष कुमार सिंह, विनोद कुमार, अरुण सिंह, अनूप दुबे, गिरीश चंद्र पंडा, राजेश सिंह, शैलेश मिश्रा, संजय साव, विजय पीटर, बबलू श्रीवास्तव, निखिल पोद्दार एवं मलखान दुबे सहित समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

मंत्री दीपिका ने किया सावन महोत्सव मेले का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27 वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले का उद्घाटन मंत्री दीपिका पांडे सिंह और अग्रवाल सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने किया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि सावन मेला केवल खरीदारी का आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं की अद्वितीय प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपने हुनर और उद्यमिता को पहचान दिलाने के साथ सामाजिक सहभागिता का भी बेहतर मंच प्रदान करते हैं। महिलाओं के उद्यमी बनने से समाज, परिवार और राष्ट्रा और भी सशक्त होगा।

मौके पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री निर्मल बुधिया ने सभा की सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज चौधरी और मंत्री निर्मल बुधिया ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

वहीं महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डाला, जबकि मेला संयोजिका अनुसूया नेवटिया ने बताया कि मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। दूसरे दिन सावन सिंघारा कार्यक्रम आयोजित होगा और समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल को सम्मानित किया जाएगा।

इधर, मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में महिलाओं और परिवारों ने स्टॉलों पर खरीदारी की और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। इस मौके पर अग्रवाल सभा और महिला समिति की पदाधिकारी, सदस्य और शहर की कई अन्य महिलाएं मौजूद थीं।

वित्त मंत्री से मिलीं वार्ड 14 की पार्षद, चुटिया के समग्र विकास की उठाई मांग

बिभा संवाददाता

रांची। वार्ड संख्या 14 की पार्षद अंजू देवी ने मंगलवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से शिष्टाचार मुलाकात कर वार्ड की विभिन्न विकास योजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने चुटिया क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की मांग उठाई।

मुलाकात के दौरान पार्षद ने पीसीसी सड़क निर्माण, ढके हुए नालों का निर्माण, पुल निर्माण, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, जलनिकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि कभी छोटानागपुर की राजधानी रहे चुटिया क्षेत्र का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, इसलिए इसके अनुरूप योजनाबद्ध विकास आवश्यक है।

मौके पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वार्ड संख्या 14 और ऐतिहासिक चुटिया क्षेत्र के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों के क्रियान्वयन के लिए सरकार सकारात्मक पहल करेगी। पार्षद अंजू देवी ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुटिया के ऐतिहासिक गौरव को पुनर्स्थापित करने और क्षेत्रवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार के सहयोग से क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी आएगी।

रिम्स शासी परिषद की बैठक: खरीदे जाएंगे 200 नए अत्याधुनिक वेंटिलेटर, रोबोटिक सर्जरी होगी शुरू

बिभा संवाददाता

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की शासी परिषद की बैठक मंगलवार को रिम्स परिसर में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

शासी परिषद की बैठक में 19 एजेंडों और पांच अतिरिक्त महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए रिम्स को अत्याधुनिक, मरीज-केंद्रित और विश्वस्तरीय संस्थान बनाने की दिशा में कई बड़े एवं ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। ताकि रिम्स अग्रणी सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल हो सके।

बैठक में रिम्स के सभी शौचालयों को एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक बनाने, मुख्य प्रवेश द्वार को हाईटेक स्वरूप देने, ऑथोर्पेडिक वार्ड के पुनर्निर्माण, 200 नए अत्याधुनिक वेंटिलेटर की खरीदने, रोबोटिक सर्जरी शुरू किए जाने, स्मार्ट क्लासरूम विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके अलावे रिम्स में रिहैबिलिटेशन सेंटर स्थापित करने, मेडिकल उपकरणों की शीघ्र खरीद, हेल्प डेस्क की स्थापना किए जाने, रेडियोथेरेपी मशीन की खरीद प्रक्रिया तेज करने, ब्लड बैंक को सशक्त बनाने, जेनेटिक स्क्रीनिंग व्यवस्था मजबूत करने, स्टेम सेल संरक्षण की दिशा में पहल किए जाने की बातों पर सहमति बनी।

बैठक के बाद मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता रिम्स को आधुनिक तकनीक, बेहतर संसाधनों और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से सुसज्जित कर ऐसा संस्थान बनाना है, जहां मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। जिसके लिए अस्पताल प्रबंधन और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने सभी योजनाओं को समयबद्ध ढंग से लागू करने और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करने की चेतावनी भी दी।

बैठक में विधायक सुरेश बैठा, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स के निदेशक डॉ दीपेंद्र कुमार सिन्हा, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, अपर निदेशक डॉ बाघमारे कृष्ण प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जेपीएससी कार्यालय में सीआईडी और पुलिस की छापेमारी, पूछताछ जारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) कार्यालय में मंगलवार को सीआईडी और रांची पुलिस की टीम ने अचानक छापेमारी की। पुलिस ने पूरे जेपीएससी कार्यालय को घेर लिया और परिसर के अंदर कार्रवाई की जा रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेपीएससी कार्यालय में कथित गड़बड़ियों और अनियमितताओं की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। जांच टीम कार्यालय में मौजूद दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को खंगाल रही है।

जेपीएससी की असिस्टेंट एग्जामिनेशन कंट्रोलर श्वेता गुप्ता सहित अन्य लोगों से सीआईडी पूछताछ कर रही है। एडीजी मनोज कौशिक ने बताया कि सरकार के निर्देश पर अनियमितताओं की शिकायत के आधार पर छापेमारी की गयी है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

वहीं, दूसरी ओर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) कार्यालय में छापेमारी के बाद सीआईडी और रांची पुलिस की कार्रवाई परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी तक पहुंच गई है। सीआईडी की टीम ने जेपीएससी की परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी टीडीपीएल से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है।

कार्रवाई के दौरान एजेंसी से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही जांच टीम ने एजेंसी के कार्यालय को सील कर दिया है। छापेमारी के दौरान टीम ने पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, डायरी सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कागजात बरामद किए हैं। बरामद सामान को जांच टीम ने अपने कब्जे में ले लिया है।

संक्षिप्त खबरें

सेल का तीसरा एचआर कॉन्क्लेव 22 से

रांची(बिभा): महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) रांची में 22 और 23 जुलाई को तीसरे एचआर कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय प्रतिष्ठित कार्यक्रम का मुख्य विषय पॉलिसी से आगे - परफॉर्मेंस कल्चर के आर्किटेक्ट के तौर पर एचआर रखा गया है। इस कॉन्क्लेव में सेल के 150 से अधिक एग्जीक्यूटिव्स के साथ-साथ देश के प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों और प्राइवेट कंपनियों के वरिष्ठ एचआर एग्जीक्यूटिव हिस्सा लेंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सेशन, पैनल डिस्कशन, केस स्टडीज और एक विशेष एचआर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसा कार्य परिवेश तैयार करना है जहाँ परफॉर्मेंस को कर्मचारियों पर थोपा न जाए, बल्कि उन्हें प्रेरित किया जाए; और जहाँ भरोसा, क्षमता, जवाबदेही, इनोवेशन तथा निरंतर सीखना दैनिक कामकाज का हिस्सा बने। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पांडा मुख्य भाषण देंगे। सेल के निदेशक (पर्सनेल) के.के. सिंह कार्यक्रम की शुरूआत में अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, उद्योग जगत के कई जाने-माने थॉट लीडर्स और दिग्गज अपने विचार रखेंगे। सेल नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की कमान एमटीआई सेल के कार्यपालक निदेशक संजय धर और उनकी पूरी टीम संभाल रही है। यह कॉन्क्लेव सेल में हाई-परफॉर्मेंस कल्चर को बढ़ावा देने और भविष्य का रोडमैप तैयार करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

श्री डोरंडा बालिका उच्च विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

रांची(बिभा) : श्री डोरंडा बालिका उच्च विद्यालय में वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 की मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आरती झा के स्वागत भाषण से हुआ। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव घेवर चंद नाहटा ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। सुभाष चंद्र बोथरा द्वारा सभी सफल छात्राओं को स्मृति-चिह्न, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र तथा पूनम चंद भंसाली द्वारा 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। अंग्रेजी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को मीनू दास गुप्ता स्मृति पुरस्कार के अंतर्गत नगद राशि प्रदान की गई। वहीं मध्य विद्यालय के शिक्षक विनाश कुमार ने गणित विषय में पूर्णांक (100 अंक) प्राप्त करने वाली दोनों छात्राओं को नगद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सुभाष चंद बोथरा, सचिव घेवर चंद नाहटा, उपाध्यक्ष संपत लाल रामपुरिया, सुनील तिवारी, समिति के सदस्य ए.सी. विजय लाल जैन, सुरेशचंद्र बोथरा अमर चंद बेगानी, अजय जैन, विद्यालय की पूर्व प्रधानाध्यापिका उपमा पाल, सुरेश प्रसाद, धनंजय कुमार सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, पूर्व शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन एल्मलेन ज्योति तुटी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मध्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पारमिता सामल ने प्रस्तुत किया।

रक्षाबंधन में डाक विभाग की विशेष पहल पर वाटरप्रूफ राखी लिफाफे उपलब्ध

रांची(बिभा)। रक्षाबंधन को लेकर भारतीय डाक विभाग के रांची डाक मंडल ने भाई-बहनों तक राखी सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था के तहत रांची और खूंटी जिले के प्रमुख डाकघरों में विशेष वाटरप्रूफ राखी लिफाफे उपलब्ध कराए हैं। इन आकर्षक और मजबूत लिफाफों की कीमत 10 रुपये प्रति लिफाफा (डाक शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित की गई है। यह जानकारी डाक विभाग की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखकर तैयार किए गए ये विशेष लिफाफे राखियों को नमी और पानी से सुरक्षित रखते हैं। डाक विभाग ने रक्षाबंधन डाक को प्राथमिकता देते हुए उपलब्ध हवाई मेल नेटवर्क और त्वरित डाक व्यवस्था के माध्यम से समय पर गंतव्य तक पहुंचाने की तैयारी की है। रांची डाक मंडल के अंतर्गत रांची जीपीओ, डोरंडा, अरगोड़ा, चुटिया, हिंदपीढ़ी, कोकर, लालपुर, हटिया, धुर्वा, कांके, मोराबादी, नामकुम, खूंटी, कर्रा, मुरहू, तोरपा, मांडर, बुंडू, सिल्ली, रातू, ओरमांझी, इटकी समेत सभी सूचीबद्ध डाकघरों में ये विशेष लिफाफे उपलब्ध हैं। डाक विभाग स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और विभिन्न संस्थानों में राखी निर्माण एवं संदेश लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित करेगा। चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। विभाग ने नागरिकों से अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए समय रहते नजदीकी डाकघर से राखी बुक कराने और विशेष वाटरप्रूफ लिफाफों का उपयोग करने की अपील की है।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद समन्वय समिति की बैठक में अंतरराज्यीय अपराध, नक्सलवाद और साइबर सुरक्षा पर बनी संयुक्त रणनीति

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को पूर्वी क्षेत्रीय परिषद समन्वय समिति (ईआरपीसीसी-2026) की बैठक आयोजित की गई, जिसी अध्यक्षता झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने की। इसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में अंतरराज्यीय अपराधों की रोकथाम, नक्सलवाद के खिलाफ संयुक्त अभियान, मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण, साइबर अपराध, रेलवे सुरक्षा तथा जीरो एफआईआर व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में डीजीपी तदाशा मिश्रा ने झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा स्थिति और वहां मौजूद चुनौतियों की जानकारी साझा की। उन्होंने झारखंड-ओडिशा, झारखंड-पश्चिम बंगाल, झारखंड-छत्तीसगढ़ और झारखंड-बिहार सीमा क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संयुक्त अभियान चलाने, खुफिया सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान करने तथा समय-समय पर समन्वय बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सीमावर्ती राज्यों के बीच संयुक्त चेकपोस्ट स्थापित करने, समन्वित नाकाबंदी अभियान चलाने और रियल टाइम सूचना साझा करने पर सहमति बनी। बैठक में तस्करी नेटवर्क की बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की गहन जांच, नार्को-कोऑर्डिनेशन (एनसीओआरडी) पोर्टल के प्रभावी उपयोग तथा सिंथेटिक ड्रग्स के संगठित नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए राज्यों के बीच रियल टाइम डेटा शेयरिंग को मजबूत करने, फर्जी सिम कार्ड और म्यूल अकाउंट के खिलाफ समन्वित कार्रवाई करने तथा अंतरराज्यीय जांच में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में साइबर अपराधियों का साझा डेटाबेस तैयार करने, सभी राज्यों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तथा सिम कार्ड विक्रेताओं के संयुक्त सत्यापन अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में जीरो एफआईआर के पंजीकरण और उसके अंतरराज्यीय हस्तांतरण में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने सीआरआई-एमएसी और सीआरआई पोर्टल से जुड़ी तकनीकी चुनौतियों, सीसीटीएनएस के साथ बेहतर एकीकरण तथा जीरो एफआईआर की ऑनलाइन ट्रैकिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। रेलवे सुरक्षा को लेकर भी विभिन्न राज्यों के पुलिस प्रमुखों ने समन्वित कार्रवाई पर जोर दिया। संवेदनशील रेलवे स्टेशनों और रेल मार्गों पर संयुक्त निगरानी बढ़ाने, अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा अंतरराज्यीय गिरोहों के खिलाफ साझा अभियान चलाने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक के अंत में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशकों ने संगठित अपराध, नक्सलवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और रेलवे सुरक्षा से जुड़े मामलों में संयुक्त एवं समन्वित कार्रवाई जारी रखने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और साझा रणनीति से अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

द प्राइड ऑफ ट्राइब के मंच पर झलकी आदिवासी की प्रस्तुति

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की आदिवासी कला, सोहराई पेंटिंग और हथकरघा परंपरा की झलकियां असम के गुवाहाटी में आयोजित नॉर्थ इस्ट इंटरनेशनल फैशन वीक (एनईआईएफडब्ल्यू) 2026 के द प्राइड ऑफ ट्राइब (टीपीओटी) कार्यक्रम में देखने को मिली। इसके साथ ही झारखंड की आदिवासी कला और परंपरा की इस प्रभावशाली प्रस्तुति की चर्चा राष्ट्रीय स्तरीय होने लगी। यह बातें टीपीओटी की टीम लीड कांति गाड़ी ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही।

उन्होंने बताया कि अब झारखंड में नेशनल ट्राइबल फैशन शो सीजन-1 आयोजित किया जाएगा जिसमें कारीगरों, बुनकरों, डिजाइनरों, मॉडलों, मेकअप आर्टिस्टों और कलाकारों को राष्ट्रीय मंच मिलेगा। कार्यक्रम में झारखंड की आदिवासी जूनियर मॉडल अंजलि लकड़ा और लक्ष्मी तिग्गा ने फ्रेशर ग्रुप में पहली बार राष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक किया। शो डायरेक्टर और फैशन वीक के संस्थापक प्रशांत घोष ने भी झारखंड की प्रस्तुति की सराहना करते हुए आगामी नेशनल ट्राइबल फैशन शो के आयोजन में सहयोग का भरोसा दिया।

कांति गाड़ी ने कहा कि यह न सिर्फ फैशन शो, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, स्वाभिमान और आजीविका को मजबूत करने का अभियान है। अनिल अमिताभ पन्ना ने कहा कि यह पहल आदिवासी संस्कृति, हथकरघा और सांस्कृतिक विरासत की नई सोच है। इससे झारखंड के विरासत को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान मिल रही है। यह स्थानीय प्रतिभाओं-कारीगरों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। पारंपरिक आदिवासी कला और स्वदेशी कपडों को आधुनिक डिजाइन के साथ की गई।

सरला बिरला विवि ने हरित ग्राम अभियान का किया शुभारंभ, 17 दिवसीय पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान शुरू

बिभा संवाददाता

रांची: सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के उन्नत भारत अभियान (प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव आरा में 'हरित ग्राम अभियान' का शुभारंभ किया गया। सत्रह दिवसीय पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता का यह अभियान 4 अगस्त तक चलेगा।

इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा अपने अंगीकृत गांवों–आरा, बड़ाम, सिलवई, महिलोंग एवं हरातू–सहित आरा गेट से महिलोंग तक सड़क किनारे लगभग पांच हजार पौधे लगाए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही हरियाली की बढ़ोत्तरी तथा ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।

अभियान का शुभारंभ एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा सतत विकास के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सक्रिय भागीदारी निभाए। अमित नाथ चरण ने कहा कि अभियान की वास्तविक सफलता केवल पौधे लगाने में नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने में निहित है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएं, ग्राम प्रतिनिधि तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने सामुदायिक सहभागिता से जुड़े इस कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक मंडली को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलो गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। रांची आरपीएफ पोस्ट कमांडर शिशुपाल कुमार ने मंगलवार को बताया कि रांची और आरपीएफ फ्लाइंग टीम के जरिए ऑपरेशन नारकोस के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया।

जांच अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-01 स्थित वीआईपी गेट के समीप एक संदिग्ध युवक काले एवं हरे रंग का स्काई बैग लेकर बैठा हुआ दिखाई दिया। जांच दल को देखकर वह घबराने लगा, जिस पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम बृजराज यादव (19) बताया। वह उत्तर प्रदेश के ग्राम मटियारवा, थाना पदरौना, जनपद कुशीनगर का रहने वाला है। बैग के संबंध में पूछने पर उसने स्वीकार किया कि उसमें गांजा रखा हुआ है। घटना की सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ प्रताप सिंह नेगी को दी गई, जो तुरंत मौके पर पहुंचे तथा संपूर्ण कार्रवाई का पर्यवेक्षण किये। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने एवं स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग से चार पैकेट बरामद हुए, जिनमें गांजा पाया गया। इस प्रकार कुल 12 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग छह लाख बताया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसे मेहंदी अंसारी के जरिए संताला (ओडिशा) से गोरखपुर तक गांजा पहुंचाने का काम सौंपा गया था, जिसके बदले उसे प्रति किलोग्राम एक हजार रुपए देने का वादा किया गया था। आरोपित ने बताया कि रांची रेलवे स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ की जांच देखकर मेहंदी अंसारी मौके से फरार हो गया। बरामद गांजा को जब्त एवं सील किया गया। इसके बाद आरोपित बृजराज यादव तथा जब्त 12 किलोग्राम गांजा को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी रांची को सुपुर्द कर दिया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक पवन कुमार, उपनिरीक्षक अजीत कुमार, आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची - आरक्षक दिलीप कुमार जितरवाल सहित अन्य शामिल थे।

जैविक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय : डॉ. मयंक मुरारी

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा इटकी वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से ग्रामीण किसानों को जैविक खेती एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से पांच गांवों में वर्मी कंपोस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत 30 किसानों के साथ कुल 10 वर्मी कंपोस्ट बेड स्थापित कर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

परियोजना के अंतर्गत मासू, बहैया, बैद्यनाथ टाटा, हेसल जरा तथा महिलोंग दीपाटोली गांव में दो-दो वर्मी कंपोस्ट बेड लगाए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को वर्मी कंपोस्ट तैयार करने की वैज्ञानिक विधि, बेड की देखभाल, केंचुओं का संरक्षण, जैविक खाद की गुणवत्ता तथा उत्पादन प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। मासू गांव में रासो पहान देवी की टीम, हेसल मंझलाटोली में सुनीता देवी की टीम, महिलोंग दीपाटोली में सरिता देवी की टीम, बैद्यनाथ टाटा में रीता देवी की टीम तथा हेसल जरा में अंजनी देवी की टीम वर्मी कंपोस्ट बेड का संचालन कर रही है। सभी टीमों को नियमित तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि वर्मी कंपोस्ट जैविक खेती की मजबूत आधारशिला है। इससे किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और उनकी आय में भी वृद्धि होगी। फाउंडेशन का प्रयास है कि किसान प्रशिक्षण के बाद इसे व्यवसाय के रूप में अपनाकर आत्मनिर्भर बनें।

इटकी वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक सुनील कुमार महतो ने कहा कि यह परियोजना केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद किसानों को वर्मी कंपोस्ट उत्पादन इकाई विकसित करने में सहयोग दिया जाएगा तथा तैयार उत्पाद के लिए मार्केट लिंकज भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें स्थायी रोजगार और बेहतर आय का अवसर मिल सके।

उषा मार्टिन फाउंडेशन एवं इटकी वेलफेयर फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जैविक खेती को बढ़ावा देने, किसानों की आय बढ़ाने तथा टिकाऊ आजीविका के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

पूर्व रेलवे
निविदा का निरस्तीकरण
मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा पूर्व प्रकाशित निविदा सूचना सं. ओ-एसी-टी-106-26-27, दिनांक 13.07.2026 की निविदा केस सं. ओ-एसी-टी-106-26-27। अब, इसे अगले निर्देश तक निरस्त कर दिया गया है। (ASN-188/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

बोकारो में सरकारी जमीन पर कब्जा कर बना आलीशान रिसॉर्ट, आयुक्त स्तर से जांच शुरू

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। बोकारो-रामगढ़ फोरलेन के किनारे नारायणपुर मौजा में सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाए जा रहे आलीशान रिसॉर्ट के मामले में आयुक्त स्तर से जांच शुरू हो गई है। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता मंगलवार को चास अंचल कार्यालय पहुंचे और संबंधित अभिलेखों की जांच की। बताया जा रहा है कि यह मामला झारखंड विधानसभा में उठने के बाद सरकार के निर्देश पर तेज हुआ है।

राजस्व विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार नारायणपुर मौजा स्थित करीब 2.80 एकड़ भूमि 1956 से सरकारी जमीन के रूप में दर्ज है। आरोप है कि 1983 में फर्जी रजिस्ट्री के जरिए इस जमीन को निजी नाम से निबंधित करा लिया गया। इसके बाद 2015 में अंचल कर्मियों द्वारा बिना सक्षम आदेश के ऑनलाइन रिकॉर्ड में हेरफेर कर नाम चढ़ाया गया और रसीद भी काट दी गई। इसी जमीन पर अब व्यावसायिक उपयोग के लिए रिसॉर्ट का निर्माण किया जा रहा है।

विधानसभा में मामला उठने के बाद उत्तरी छोटानागपुर आयुक्त ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है। खास बात यह है कि कमेटी में बोकारो जिले का एक भी अधिकारी शामिल नहीं है, जिससे स्थानीय स्तर पर मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है। आयुक्त के सचिव बासुदेव प्रसाद को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि धनबाद के अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला और सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी बालकिशोर महतो सदस्य हैं। जांच कमेटी ने चास अंचल के जमीन संबंधी कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए हैं। आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि प्राथमिक जांच में सरकारी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ और भूमि को व्यावसायिक रूप से उपयोग में लाने की गंभीर बात सामने आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट तैयार होते ही सरकार को सौंपी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भू-माफिया और कुछ अंचल कर्मियों की मिलीभगत से सरकारी व राजस्व भूमि को निजी लाभ के लिए हड़पने की कोशिश वर्षों से होती रही है। नारायणपुर मौजा का यह मामला सामने आने के बाद चास अंचल क्षेत्र में अन्य संदिग्ध जमाबंदी और रजिस्ट्री पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच के दायरे में आए हर व्यक्ति व दस्तावेज की कानूनन पड़ताल की जाएगी।

सेक्टर-4 में 'दुबई वॉटरफॉल कार्निवल' का विधायक उमाकांत रजक ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो। सेक्टर-4 के सर्कस मैदान में सोमवार को दुबई वॉटरफॉल कार्निवल का भव्य उद्घाटन चंदनक्यारी विधायक उमाकांत रजक ने दीप प्रज्ज्वलित कर कर किया। उद्घाटन अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि यह मेला शहरवासियों के मनोरंजन और सांस्कृतिक उत्साह के लिए महत्वपूर्ण है। मेले में लगाए गए विविध स्टॉल और झूले यहां आने वाले लोगों को खूब भाएंगे और बच्चों व युवाओं के लिए यह आनंद का स्रोत बनेगा।

मेले के मुख्य आयोजक अरुण कुमार ने बताया कि इस बार मेले के प्रवेश द्वार को टीपू सुल्तान के महल के आकार में सजाया गया है। उन्होंने कहा कि विजिटर्स को वॉटरफॉल का भव्य नजारा देखने को मिलेगा तथा मिक्सर झूला (जीरो ग्रेविटी झूला) इस मेले की खासियत होगा। अरुण कुमार ने बताया कि कुल मिलाकर लगभग 70 से 75 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें खाने-पीने, खेल-खिलौने और शिल्प से जुड़े स्टॉल शामिल हैं।

मेले के समय और सुरक्षा व्यवस्था मेले का समयः रोजाना शाम 4:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक; मेला सातों दिन खुलेगा और यह लगभग एक महीने तक चलेगा। सुरक्षा और सुविधाएँः पार्किंग की व्यवस्थित व्यवस्था की गई है, पूरे परिसर में वालंटियर तैनात किए गए हैं ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। आग से सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी भी सुनिश्चित की गई है। आयोजकों ने आगाह किया है कि मेले के दौरान भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार व्यवहार किया जाए। वाहन पार्क करने और सुरक्षा निरीक्षण में सहयोग के लिए आयोजक जनता से सहयोग की अपील कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

चिन्मय विद्यालय बोकारो के प्राचार्य सूरज शर्मा को मिला 'बेस्ट जोनल प्रिंसिपल अवार्ड'

बोकारो(बिभा)। चिन्मय विद्यालय बोकारो ने एक बार फिर उपलब्धि की नई ऊंचाई हासिल की है। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) ने विद्यालय के प्राचार्य श्री सूरज शर्मा को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 'बेस्ट जोनल प्रिंसिपल अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें झारखंड जोन में उत्कृष्ट शैक्षणिक नेतृत्व, विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों तथा विद्यालय के समग्र विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी सहित समस्त विद्यालय परिवार ने प्राचार्य श्री सूरज शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे चिन्मय विद्यालय बोकारो परिवार का सम्मान है। हमारे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा, अभिभावकों के सहयोग तथा विद्यालय प्रबंधन के निरंतर मार्गदर्शन का ही यह प्रतिफल है। मैं इस उपलब्धि को विद्यालय के प्रत्येक सदस्य को समर्पित करता हूं और भविष्य में भी उत्कृष्टता की इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

बाराती विवाद में हुई हत्या के मामले में बिनोद तिवारी को उम्रकैद, 50 हजार का जुमार्ना

बोकारो(बिभा)। बोकारो एडीजे 1 की अधीर सुनवाई में मंगलवार को एस0टी0-299/2015 (बालीडीह थाना काण्ड स. 177/2013, जीआर-1985/2013) दर्ज मामले में अभियुक्त बिनोद तिवारी को आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई। मामला मारपीट और हत्या से जुड़ा था जिसमें मृतक सोनू शुक्ला थे। पेश हुए तथ्यों के अनुसार, 24 नवंबर 2013 की रात्रि लगभग 10:15 बजे बालीडीह में एक बाराती दल आया था। बाराती समूह में किसी बात को लेकर अचानक झगड़ा हो गया। आरोप हैं कि बिनोद तिवारी (उम्र 49 वर्ष, पिताझ्र बांके तिवारी, पता–बालीडीह पेट्रोल पम्प, शिवपुरी, थाना बालीडीह) ने लाठी और भूजाली से पीड़ित सोनू शुक्ला पर बेरहमी से हमला किया। हमले में सोनू के पैर में गंभीर चोट और छेद हो गया। घायलों को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान सोनू शुक्ला की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले में धारा 323/324/307/302/34 भादवि के तहत अभियोजन किया था। आरोप-पत्र और गवाहों की बहस के बाद अदालत ने मंगलवार को बिनोद तिवारी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई। अदालत ने आवश्यक होने पर अतिरिक्त लिखित टिप्पणी जारी करने का अधिकार भी सुरक्षित रखा है।

डीपीएस चास के सरण्या और आराध्या ने जीता 'सर्वश्रेष्ठ सामूहिक प्रस्तुति' का खिताब

चास/बोकारो (बिभा)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास के विद्यार्थियों सरण्या शाही और आराध्या पटवारी ने सरला बिड़ला पब्लिक स्कूल, रांची द्वारा आयोजित अंतरविद्यालयी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव प्रतिध्वनि 4.0 में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कहानी कहने की कला -एक कथात्मक यात्रा प्रतियोगिता में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति, सशक्त अभिव्यक्ति, सटीक मंच संचालन तथा उत्कृष्ट टीमवर्क से निर्णायकों और उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए विद्यालय को प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ सामूहिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने छात्राओं की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, रचनात्मकता और वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करना है। ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। वहीं विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि कहानी कहना केवल एक कला नहीं, बल्कि विचारों, मूल्यों और भावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और सतत अभ्यास का परिणाम है। इस विषय पर डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव- श्री सुरेश अग्रवाल ने विजेता छात्राओं, उनके अभिभावकों तथा मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी की पहली पुण्यतिथि को ऐतिहासिक बनाने में जुटें कार्यकर्ताः रतनलाल

बिभा संवाददाता

बोकारोः झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन जी के निदेर्शानुसार मंगलवार को चीरा चास स्थित 'गुरु जी फार्म हाऊस' में जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 4 अगस्त को होने वाली झारखंड के निमार्ता दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि दिशोम गुरु जी की पहली पुण्यतिथि ऐतिहासिक होगी। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जिले का एक-एक कार्यकर्ता एकजुट होगा। उन्होंने

कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा कि 4 अगस्त को होने वाले पुण्यतिथि कार्यक्रम की तैयारियां अभी से ही शुरू कर दी जाएं। रतनलाल मांझी ने कहा कि बोकारो में आदरणीय गुरु जी शिबू सोरेन जी की एक भव्य आदमकद प्रतिमा 4 अगस्त को ही स्थापित की जाएगी, जिसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि हमारे मार्गदर्शक और झारखंड राज्य के निमार्ता, दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी के प्रथम पुण्यतिथि पर बोकारो में भव्य रूप से याद किए जाएंगे। दिशोम गुरु आज भी झारखंड के कण-कण में बसे हुए हैं।जल, जंगल और जमीन की हर सुनहरी आवाज में गुरु जी का नाम जुड़ा हुआ है।वे झारखंड प्रदेश के एक-एक कार्यकर्ता के दिल में वास करते हैं। झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा कि बोकारो की धरती से उनका हमेशा पुराना और गहरा लगाव रहा है, इसलिए हम सभी कार्यकताओं को मिलकर इस पहली पुण्यतिथि को यादगार बनाना है। इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल संचालन जिला सचिव मुकेश महतो द्वारा किया गया। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापन बोकारो महानगर सचिव मदन कुमार महतो ने किया। बैठक में केंद्रीय सदस्य बी के चौधरी, हसन इमाम, फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम, नैयर जमाल, आलोक सिंह, मिथुन मंडल, रामदास सिंह, राकेश सिन्हा सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

मोहम्मद मुस्ताक ने कार्यकर्ताओं संग झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की

बिभा संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को चास क्षेत्र के अंसारी मोहल्ला निवासी मोहम्मद मुस्ताक ने सैकड़ों समर्थकों के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी और महानगर अध्यक्ष मंटू यादव की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर मो मुस्ताक ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं को उठाने के लिए राजनीतिक मंच से सक्रियता दिखाएंगे। उन्होंने स्थानीय सुधार, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को अपनी प्राथमिकता बताया। रतन लाल मांझी ने मोहम्मद मुस्ताक का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में नए सदस्य जुड़ने से संगठन मजबूत होगा और आगामी स्थानीय मुद्दों पर बेहतर समन्वय संभव होगा। मंटू यादव ने भी संबोधन कर आगामी कार्यक्रमों व जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।

मिथिला अकादमी में अन्तर-सदन समूह गायन प्रतियोगिता का आयोजन, दीप प्रज्वलन कर हुआ शुभारम्भ

बिभा संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4/ई में ₹अन्तर-सदन समूह गायन प्रतियोगिता₹ का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लोकप्रिय गायक रमेन्द्र नारायण दुबे, विद्यालय के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव सुनील मोहन ठाकुर ,शिक्षा सचिव यु सी झा , प्राचार्य अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य देव दुलाल मित्रा द्वारा सामूहिक दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारो सदन - भारती, बिरसा, वाचस्पति एवं विद्यापति के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय लोकगीत गायन की प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रमेन्द्र नारायण दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि ₹संगीत आत्मा की

अभिव्यक्ति है। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनमें भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम जागृत होता है

अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार ने कहा कि गायन हमेशा से ही एक बेहद पसंद की जाने वाली कला रही है। यह गायन कौशल, भाव-भंगिमा, अभिव्यक्ति और रचनात्मक प्रस्तुति जैसी विभिन्न प्रतिभाओं को प्रदर्शित करता है। हरेक विद्यार्थी में एक न एक कला छिपी होती है। हम शिक्षकों का कर्तव्य है कि उस कला को पहचान कर विद्यार्थी की प्रतिभा को मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करें।

प्राचार्य श्री अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य श्री देव दुलाल मित्रा ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं ।

कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा दशम के नीतिका भारती एवं नैना सिंह द्वारा किया गया।

चंदनकियारी में 19 वर्षीय युवक की हत्या का खुलासा, दोस्त ही निकला कातिल, शव कुएं से बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारोः चंदनकियारी थाना क्षेत्र से लापता 19 वर्षीय सागर कुमार की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सहायक पुलिस अधीक्षक (सदर) वेदांत शंकर ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2026 को चंदनकियारी थाना कांड संख्या-85/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

जांच के दौरान पुलिस ने भवानीडीह निवासी मानिक मांझी (50 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने सागर कुमार

की हत्या करने तथा शव को आमगोंडीह गांव के समीप सिधाबांध जंगल स्थित एक कुएं में फेंकने की बात स्वीकार कर ली।

आरोपी की निशानदेही पर 20 जुलाई को पुलिस ने कुएं से सागर कुमार का शव बरामद किया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। एएसपी वेदांत शंकर ने बताया कि आरोपी और मृतक पहले बेंगलुरु में साथ मजदूरी करते थे। वहीं किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि उसी विवाद के कारण आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच अभी जारी है।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी विवाहित है और उसके तीन पुत्र व एक पुत्री हैं। उसके खिलाफ पहले किसी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज नहीं मिला है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

बीएसएल में तृतीय 220 केवी सीटीपीएस-एमआरएस ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण

बिभा संवाददाता

बोकारो।बोकारो इस्पात संयंत्र की विद्युत आपूर्ति प्रणाली को और अधिक विश्वसनीय, सुदृढ़ एवं निर्बाध बनाने की दिशा मंइ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में तृतीय 220 केवी सीटीपीएसझ्रएमआरएस ट्रांसमिशन लाइन का आज लोकार्पण किया गया। डीएनडब्ल्यू के मेन रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएस) परिसर में आयोजित ₹डेडिकेशन टू सर्विसर₹ कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक-प्रभारी तथा दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के मेंबर (तकनीकी) ने संयुक्त रूप से इस महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण करते हुए इसे सेवा के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर बीएसएल एवं डीवीसी के शीर्ष प्रबंधन, कई वरिष्ठ अधिकारी तथा परियोजना के निष्पादन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह तृतीय 220 केवी ट्रांसमिशन

लाइन चंद्रपुरा ताप विद्युत स्टेशन (सीटीपीएस) एवं बोकारो इस्पात संयंत्र के मेन रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएस) के मध्य स्थापित की गई है। लगभग 8.6 किलोमीटर लंबी इस ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण में कुल 29 मोनो पोल स्थापित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पारंपरिक लैटिस टावरों की तुलना में मोनो पोल के लिए अपेक्षाकृत कम भूमि की आवश्यकता होती है, जिससे भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ती है तथा निर्माण कार्य भी अधिक सुव्यवस्थित एवं त्वरित रूप से संपन्न किया जा सकता है। डीवीसी द्वारा इस परियोजना में पहली बार मोनो पोल तकनीक का उपयोग किया गया है, जो आधुनिक विद्युत अवसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गौरतलब है कि यह ट्रांसमिशन लाइन 10 जुलाई 2026 को चार्ज की गई थी। इसके उपरांत सभी आवश्यक परीक्षणों, निरीक्षणों एवं कमीशनिंग प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने के बाद 21 जुलाई 2026 को इसे औपचारिक रूप से लोकार्पित कर सेवा के लिए समर्पित किया गया।

नई ट्रांसमिशन लाइन के परिचालन में आने से संयंत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय, सुरक्षित एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाने की दिशा में मजबूती मिलेगी। साथ ही, उत्पादन इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने से संयंत्र की परिचालन दक्षता, उत्पादकता तथा समग्र प्रदर्शन को भी सुदृढ़ आधार प्राप्त होगा।

इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक-प्रभारी ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के सफल क्रियान्वयन में योगदान देने वाले सभी एजेंसियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह नई ट्रांसमिशन लाइन सुरक्षित, सतत एवं कुशल उत्पादन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने परियोजना के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के लिए सभी संबंधित विभागों की सराहना भी की। डीवीसी के मेंबर (तकनीकी) ने अपने संबोधन में बीएसएल एवं डीवीसी के बीच उत्कृष्ट समन्वय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से दोनों संस्थानों के बीच तकनीकी सहयोग और अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा बोकारो इस्पात संयंत्र को अधिक विश्वसनीय एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में यह ट्रांसमिशन लाइन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता, सुरक्षा तथा समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

तृतीय 220 केवी सीटीपीएस-एमआरएस ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण बोकारो इस्पात संयंत्र की आधुनिक, विश्वसनीय एवं सुदृढ़ आधारभूत अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह परियोजना संयंत्र की ऊर्जा सुरक्षा को सशक्त बनाने के साथ-साथ भविष्य की उत्पादन आवश्यकताओं, परिचालन उत्कृष्टता तथा सतत विकास के लक्ष्यों को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

भाजपा युवा मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस

बोकारो : भारतीय जनता युवा मोर्चा, बोकारो जिला ने मंगलवार को महावीर चौक, चास से श्रीराम चौक व धर्मशाला मोड़ तक मशाल जुलूस निकालकर प्रदेश सरकार और जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रियाओं के खिलाफ विरोध जताया। जुलूस में बड़ी संख्या में युवा और पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र राज ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन के शासन में जेपीएससी और जेएसएससी की नौकरियों की बिक्री हो रही है और इससे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उनका कहना था कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता नहीं रहने से पारम्परिक मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को भारी नुकसान हो रहा है। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि यह विरोध केवल प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कल राज्य भर के युवा जेपीएससी कार्यालय का घेराव करेंगे और प्रदेश स्तर पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। जुलूस के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष जयदेव राय, रामलाल सोरेन, मुकेश राय, अर्चना सिंह, संजय त्यागी, विभीषण सिंह चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया सोहराई महिला कला विकास सहयोग समिति का उद्घाटन

बिभा संवाददात

हजारीबागः मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा संचालित सोहराई महिला कला विकास सहयोग समिति का उद्घाटन उपायुक्त हेमन्त सती ने मंगलवार को दीपूगढ़ा स्थित संस्कृति म्यूजियम परिसर में किया। यह केंद्र जिले की पारंपरिक सोहराई एवं कोहबर कला के संरक्षण, संवर्धन तथा महिला कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

उद्घाटन के उपरांत उपायुक्त ने केंद्र का अवलोकन किया तथा महिला कलाकारों द्वारा तैयार की गई सोहराई एवं कोहबर कला की विभिन्न कलाकृतियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कलाकारों के कौशल और सृजनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि हजारीबाग की पारंपरिक सोहराई एवं कोहबर कला विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। इन कलाओं के संरक्षण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला प्रशासन द्वारा सोहराई फेस्टिवल पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा, जिससे स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ बेहतर मंच उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर उपायुक्त ने महिला कलाकारों से केंद्र के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। कलाकारों ने केंद्र में नियमित विद्युत आपूर्ति, सोलर लाइट की व्यवस्था तथा केंद्र तक पहुंच मार्ग के निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के पश्चात उपायुक्त ने संस्कृति म्यूजियम का भ्रमण किया। उन्होंने पाषाण युग, पूर्व पाषाण युग तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता के विकास को दशार्ने वाली दुर्लभ पुरातात्विक सामग्री का अवलोकन किया। इस दौरान संग्रहकर्ता गुस्ताफ इमाम ने उन्हें संग्रहालय में संरक्षित पुरावशेषों एवं उनके ऐतिहासिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी।

उपायुक्त हेमन्त सती ने पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं संग्रहण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हजारीबाग की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यवस्थित रूप से संरक्षित और प्रदर्शित करने के लिए भविष्य में एक आधुनिक संग्रहालय की दिशा में भी कार्य किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी समृद्ध विरासत से परिचित हो सके।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के अवसर पर सोहराई एवं कोहबर कला से जुड़े उत्कृष्ट कलाकारों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनकी कला को प्रोत्साहन मिले और इस विरासत को नई पहचान मिल सके।

आईटीआई प्रशिक्षणार्थियों को छात्रवृत्ति योजना से आच्छादित करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में श्रम, नियोजन एवं कौशल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, आईटीआई संस्थानों की प्रगति तथा श्रम विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिला नियोजन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी आईटीआई संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों को छात्रवृत्ति योजना से शत-प्रतिशतआच्छादित किया जाए तथा संस्थान स्तर से छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र प्रशिक्षणार्थियों को योजना का लाभ बिना विलंब के मिल सके। उपायुक्त ने गत वर्षों में आईटीआई संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट की स्थिति की समीक्षा करते हुएजिला नियोजन पदाधिकारी को विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को आर्थिक सहायता के रूप में देय राशि के वितरण से संबंधित गत वर्षों का प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा।

श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को लक्ष्य के अनुरूप श्रमिकों का निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इसके लिए सभी प्रखंडों में विशेष निबंधन शिविर आयोजित करने को कहा। जिन प्रखंडों में लेबर इंफोर्समेंट अफसर पदस्थापित नहीं हैं, वहां शिविरों के सफल संचालन हेतु अन्य प्रखंडों से लेबर इंफोर्समेंट अफसरों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश भी दिया।

उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को सभी विभागों में लेबर सेस अधिनियम का शत-प्रतिशतअनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुपालन के लिए किए गए निरीक्षण एवं छापेमारी के मामलों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस निर्गत कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश श्रम अधीक्षक को दिया।

उपायुक्त ने कहा कि श्रमिकों का अधिकाधिक निबंधन, कौशल विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, जिला नियोजन पदाधिकारी नीरू कुमारी, श्रम अधीक्षक आंद्रियास कुल्लु, सभी लेबर इंफोर्समेंट अफसर तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अग्रवाल महिला मंडल का सावन उत्सव 25-26 जुलाई को

हजारीबाग(बिभा) : अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन उत्सव का आयोजन 25 एवं 26 जुलाई को किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उत्सव में महिलाओं, युवाओं और परिवारों के लिए खरीदारी, मनोरंजन और स्वाद का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।आयोजन में 20 से अधिक आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां पंजाब, वाराणसी, रांची, धनबाद और हजारीबाग के उद्यमी अपने विशेष उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री करेंगे। परिधानों, ज्वेलरी, हस्तशिल्प, होम डेकोर, लाइफस्टाइल उत्पादों सहित कई आकर्षक वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए गेम्स स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जबकि खाने-पीने के शौकीनों के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आगंतुक पारंपरिक और आधुनिक व्यंजनों का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। इस बार उत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण राजस्थानी चौकी-ढाणी होगी, जहां राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपरा और पारंपरिक सजावट की झलक देखने को मिलेगी। रंग-बिरंगी साज-सज्जा और राजस्थानी माहौल आगंतुकों को विशेष अनुभव प्रदान करेगा।

उड़ूमुडू विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, रुस्तम अंसारी अध्यक्ष व शांति कुजूर सचिव निर्वाचित

कुड़ू(बिभा) । कुडू प्रखंड के ग्राम उड़ूमुड़ू स्थित विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के पुनर्गठन को लेकर मंगलवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिभावकों, ग्रामीणों एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिति में सर्वसम्मति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत समिति के नए पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न कराया गया। चुनाव में ग्रामीणों एवं अभिभावकों के समर्थन से रुस्तम अंसारी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा शांति कुजूर को सचिव चुना गया। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष रुस्तम अंसारी ने कहा कि विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना, पठन-पाठन की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वहीं नवनिर्वाचित सचिव शांति कुजूर ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में उपस्थित ग्रामीणों एवं शिक्षकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा जताई कि नई विद्यालय प्रबंधन समिति विद्यालय के विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेगी।

इनामी नक्सली अजय की पत्नी ने किया सरेंडर

गिरिडीह(बिभा)। भाकपा माओवादी संगठन के 25 लाख के इनामी कुख्यात नक्सली अजय महतो उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को पत्नी अनिता किष्कु उर्फ बबीता ने गिरिडीह पुलिस के समक्ष आत्म समर्पण किया। 15 से अधिक नक्सल कांडो में वांछित अनिता सरकार की पूर्नवास नीति से प्रभाविक होकर मुख्य धारा में वापस लौटी है। इस दौरान एसपी डा विमल कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अजय महतो की पत्नी अनिता नक्सली वारदातों को अंजाम दिये जानी वाली योजानाओं में 2009 से सक्रिय मदद गार रही है। एसपी ने कहा कि 2017 मे एरिया कमेटी की प्रमुख बनी । लेकिन अब उन्हे लगा कि सरेंडर करने पर ही भविष्य है। उन्होंने बताया कि सरकार की सरेंडर नीति से प्रभावित होकर उसने सरेंडर किया। इस दौरान अनिता किस्कु ने भी लोगों से मुख्य धारा में लौटने का आग्रह किया और कहा कि आज उन्हे काफी शकून महसूस हो रहा है।

प्रेम प्रसंग में साथी ने ही की थी निर्मम हत्या; आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के मुफसिल थाना क्षेत्र में डेन्टल कॉलेज के सुपरवाइजर (स्टोर कीपर) विकास कुमार सिंह की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यह सनसनीखेज हत्या प्रेम प्रसंग के विवाद में की गई थी। यह जानकारी सदर एसडीपीओ रुपेश कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस जघन्य कांड के मुख्य प्राथमिकी आरोपी पवन कुमार दास को पुलिस ने तकनीकी एवं परिदृश्य साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 19 जुलाई 2026 को मुफसिल थाना में लिखित सूचना प्राप्त हुई थी कि विकास कुमार सिंह पिता- स्व. रविन्द्र सिंह, जो डेन्टल कॉलेज हजारीबाग में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे, उनकी किन्हीं अज्ञात या संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दी गई है। इस संबंध में मुफसिल थाना कांड संख्या 117/26, दिनांक 19.07.2026, धारा 103(1)/3(5) बी.एन.एस. के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार ने इसे अत्यंत गंभीरता से लिया। एसपी के निदेर्शानुसार उनके नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया, जिसमें पुअनि. मुकेश कुमार सिंह (थाना प्रभारी, मुफसिल थाना) एवं सशस्त्र बल को शामिल किया गया।

खौफनाक साजिश का खुलासा

गिरफ्तार अभियुक्त पवन कुमार दास से जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने जो खुलासे किए, उसने सुनने वालों को भी झकझोर दिया। आरोपी ने स्वीकार किया कि मृतक विकास कुमार सिंह और वह दोनों एक ही लड़की से प्रेम करते थे। जब इस बात की जानकारी पवन दास को हुई, तो उसने विकास कुमार सिंह को अपने रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रची। योजना के तहत, 18 जुलाई 2026 की देर रात्रि आरोपी पवन दास ने विकास कुमार सिंह को अत्यधिक मात्रा में शराब पिलाई। जब विकास नशे में पूरी तरह सुध-बुध खो बैठा और नींद की अवस्था में था, तब आरोपी ने उसे जमीन पर मुंह के बल पटक दिया और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या करते समय आरोपी को इस बात की पूरी जानकारी थी कि मृतक विकास कुमार सिंह के सीने में मेडिकल मशीन (पेसमेकर) लगी हुई है, जिसका उसने फायदा उठाया।गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार दास (उम्र करीब 35 वर्ष)पिता सहदेव दास निवासी सिहोडिह, थाना मुफसिल, जिला गिरिडीह का रहनेवाला है। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है छापामारी दल में मुकेश कुमार सिंह थाना प्रभारी मुफसिल, एसआई जितेन्द्र भगत, सिद्धनाथ कुमार अनुसंधानकर्ता एसआई सत्यम मुफसिल थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और तकनीकी अनुसंधान से एक अंधे कत्ल का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लोकभवन के पास झारखंड कांग्रेस का धरना, पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह भी हुए शामिल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से लोकभवन के समीप धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कांग्रेस प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में आयोजित इस धरने में कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक,मंत्री और पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह भी धरने में शामिल हुए और युवाओं के मुद्दों पर कांग्रेस के आंदोलन का समर्थन किया। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के कार्यकाल में ठएएळ, वऋछ-ठएळ समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले सामने आए, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ। उनका आरोप था कि जब छात्र न्याय की मांग कर रहे थे, तब उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर पुलिस कार्रवाई की गई। धरना-प्रदर्शन में शामिल पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। लगातार पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं ने लाखों मेहनती छात्रों के सपनों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को न्याय, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और समय पर रोजगार मिलना चाहिए। मुन्ना सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार युवाओं के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, जबकि जरूरत रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने और परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह निष्पक्ष एवं मजबूत बनाने की है। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा प्रणाली में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की मांग की।

उद्योग विभाग की योजनाओं की हुई समीक्षा, लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना , प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तथा पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया कि सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन एक सप्ताह के भीतर किया जाए। साथ ही यदि किसी आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है तो उसके कारणों का स्पष्ट एवं लिखित रूप से उल्लेख किया जाए, ताकि आवेदकों को आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके।बैठक में पीएम विश्वकमाकौशल सम्मान योजना के अंतर्गत ऋण हेतु प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित बैंकों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन अधिकतम एक माह के भीतर किया जाए। यदि किसी आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है तो उसके कारणों का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। उन्होंने स्वीकृत आवेदनों में ऋण राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। ऐसे में सभी संबंधित विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, उद्योग महाप्रबंधक रघुबर सिंह, अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक तथा संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनसेवा की मिसालः वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने खुद ट्रैक्टर चलाकर उठाया कचरा, स्वच्छता अभियान को दी नई गति

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार स्वयं ट्रैक्टर लेकर वार्ड की गलियों में उतरे और कचरा उठाने का कार्य किया। जनप्रतिनिधि को खुद सफाई अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते देख स्थानीय लोग भी प्रभावित हुए और उनकी इस पहल की जमकर सराहना की।

नीरज कुमार ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर वार्ड का निर्माण केवल नगर निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की भी समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि स्वयं मैदान में उतरकर कार्य करते हैं तो लोगों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

उन्होंने वार्डवासियों से अपील की कि वे कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें, गंदगी फैलाने से बचें तथा अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें। उनका कहना था कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की पहचान है और इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

नीरज कुमार की इस पहल को स्थानीय लोगों ने जनसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि का इस तरह स्वयं ट्रैक्टर चलाकर कचरा उठाना उनकी कार्यशैली और सेवा भावना को दशार्ता है। लोगों ने उम्मीद जताई कि इस तरह के प्रयासों से स्वच्छता अभियान को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी इससे प्रेरणा लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

वार्ड में चलाया गया यह स्वच्छता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाया जा सके।

हत्या की साजिश नाकामः अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया। लोहरदगा पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, एक सैमसंग मोबाइल फोन तथा एक अल्टो कार जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार 20 जुलाई को दिन में करीब 11:45 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि नीले रंग की एक अल्टो कार में सवार तीन व्यक्ति अवैध आग्नेयास्त्र लेकर सोबरनटोली से जुरिया की ओर किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। सूचना मिलते ही सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक रविरंजन कुमार, सहायक अवर निरीक्षक अशर्फी बहेलिया, चन्द्रदीप मेहता, रमेश कुमार तिवारी सहित सशस्त्र बल एवं चालक आरक्षी शामिल थे। करीब 12 बजे पुलिस टीम सोबरनटोली पहुंची। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक नीले रंग की अल्टो कार आती दिखाई दी। पुलिस वाहन को देखकर कार की पिछली सीट पर बैठा एक व्यक्ति दरवाजा खोलकर सोबरनटोली की गलियों की ओर भाग निकला। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह फरार होने में सफल रहा। वहीं कार चालक ने भी वाहन को पीछे मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से कार को चारों ओर से घेरकर रोक लिया गया। वाहन का पंजीकरण संख्या जेएच-07बी-7575 पाया गया। वाहन में सवार दो व्यक्तियों ने पूछताछ में अपना नाम हुसैन अंसारी (36 वर्ष), पिता स्व. अब्दुल रहीम, ग्राम लोंगा, थाना भरनो, जिला गुमला तथा अजय साहु (30 वर्ष), पिता स्व. जोधा साहु, बीआईडी प्रेमनगर, थाना एवं जिला लोहरदगा बताया। फरार आरोपी की पहचान संजय लोहरा, पिता जीतवाहन लोहरा, ग्राम लोंगा, थाना भरनो, जिला गुमला के रूप में हुई।

डीसी ऋतुराज ने भरा अपना गणना प्रपत्र

बिभा संवाददाता

रामगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत मंगलवार को डीसी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी ऋतुराज ने अपना गणना प्रपत्र भरकर जिलेवासियों को इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया।

डीसी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का दायित्व है कि वह निर्धारित समयावधि के भीतर अपना गणना प्रपत्र अवश्य भरें। ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या नाम छूटने की संभावना न रहे।

डीसी ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी विलंब के अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर के पास जमा करें। उन्होंने कहा कि समय पर प्रपत्र जमा करने से मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी ढंग से पूर्ण हो सकेगी।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों से भी इस अभियान में सहयोग करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह जाए।

डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। सभी संबंधित पदाधिकारियों और बूथ लेवल ऑफिसरों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दें तथा अपने परिवार, पड़ोस एवं परिचितों को भी गणना प्रपत्र भरने के लिए प्रेरित करें।

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।

तिरंगे की शान, भारत की पहचान...

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र

कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम् लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्ययूनियन जैकह्ल का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

संपादकीय

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूनार्मेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूनार्मेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूनार्मेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूनार्मेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

नीरज कुमार दुबे

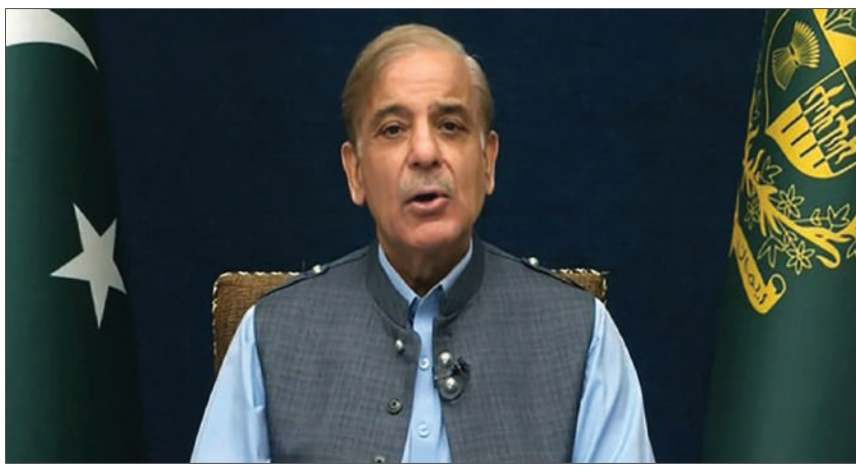

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है।

हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी।

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है।

इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निमार्ताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।

भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाझ्ा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

रंजन चौधरी

-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न..., अस्पताल कैंपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय

-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल

आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है।

ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोचुर्री पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निसंदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं?

हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगवां- चुरचू के पत्थर एक माइंस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वार्ड से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुँह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते?

अब समय सिर्फ शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं, सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा ।

प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों की पहचान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा।

हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर इग्नोर करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मौत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आईना होते है। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

पत्रकारिता में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनजर केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्रायः प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बडी़ संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट्र के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्व तथा समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृत्तिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे- लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुडिय़ा से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंसलटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढिय़े इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढिय़ा हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

ओडेसा हमला : यूक्रेन युद्ध में 4 भारतीय नाविकों की मौत, सुरक्षा पर सवाल

- वाणिज्यिक जहाज पर हमले में कुल 10 जानें गईं; भारत ने निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों सहित कुल 10 लोगों की मौत हो गई है। भारत ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए युद्धग्रस्त क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 19 जुलाई की शाम एम.वी. गोल्डन लियो नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों ने जान गंवाई, जबकि चालक दल के 17 सदस्यों में से एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाने को निंदनीय बताया। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने को अस्वीकार्य करार दिया। उधर, यूक्रेन ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया; विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी मिसाइलों ने एक असैन्य जहाज को निशाना बनाया, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मार्ग पर था। यह यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का पहला मामला है। भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दे रहा है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायल नागरिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आठ सप्ताह में सीबीआई जवाब दाखिल करे–हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने के आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर करीब दो घंटे तक सुनवाई की। हाई कोर्ट की वेबसाइट पर पीठ का आदेश उपलब्ध नहीं था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति आर. एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर यह सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है और इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। पीठ ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि उम्मीद की जाती है कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है तो शिकायत के आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जा सकती है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत उचित कदम उठा सकती है। लखनऊ पीठ ने सीबीआई और ईडी के अलावा केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) के निदेशक को भी निर्देश दिया था कि वह गांधी के खिलाफ याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने इससे पहले गत 12 मई को मामले की सुनवाई चैंबर में की थी।

पेपर लीक पर अखिलेश का वार : राज खुलने के डर से नहीं दे रहे इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पेपर लीक के कथित मामलों और छात्रों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर हमलावार है। संसद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके राज़ खुल सकते हैं। पूर्व सीएम यादव ने विरोध–प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, आंसू गैस और बिजली के झटकों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और अमृत काल है, जहां युवाओं के सिर फोड़े जा रहे हैं? उन्होंने सरकार को पेपर लीक रोकने की सीधी जिम्मेदारी याद दिलाकर कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लगना बेहद शर्मनाक है।

टीएमसी का शहीद दिवस : कोलकाता में ममता की रैली, दिल्ली में बागी सांसदों का प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस मनाया। यह दिन 1993 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की याद में मनाया जाता है। शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक कोलकाता के बिड़ला तारामंडल में जमा हुए। एक समर्थक ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीएमसी फिर जीतेगी। मैं दीदी का समर्थन करता हूं। इस मौके पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने 1993 की घटना को याद किया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में वोटर पहचान पत्र की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 200 घायल हुए थे। सांसद रॉय ने बताया कि ममता बनर्जी तब से ही घटना की याद में शहीद दिवस मनाती आ रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कुछ आलोचकों ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी शहीदों के लिए दुख का दिखावा करती हैं, जबकि उन्होंने मनीष गुप्ता को मंत्री बनाया था, जो उस समय गृह विभाग के प्रधान सचिव थे और उन्हीं के आदेश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोली चली थी। आलोचकों ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी मनीष गुप्ता को मंत्री से भी ऊंचा दर्जा दिया गया। साथ ही, सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट को सालों तक दबाने और सार्वजनिक न करने का भी आरोप लगाया गया, जबकि इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता को पार्टी में शामिल कर मंत्री बनाया गया। इस बीच एनसीपीआई में शामिल हुए बागी टीएमसी सांसदों ने दिल्ली में राजघाट जाकर इस दिन को याद किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि वे 1993 की पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 निर्दोष युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कहा कि वे अब एनसीपीआई में हैं, इसलिए उन्होंने राजघाट पर शहीदों को याद करने का फैसला किया।

किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बातचीत से निकलना चाहिए

–सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हेमा मालिनी, व कंगना ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने अब सियासी गलियारों के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी हलचल मचा दी है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने निकले तो बीजेपी सांसद और बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने इस पूरे आंदोलन को लेकर कहा कि इस तरह के विरोध का कोई मतलब नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले कंगना रनौत भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों को निशाने पर ले चुकी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर पहुंचीं हेमा मालिनी ने मीडिया से कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बल्कि बातचीत से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या है तो उस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए। इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जहां तक देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था का सवाल है, हमारी मोदी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और बहुत काम किया है। इसे देखते हुए आप लोग जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं बनता. इसे बातचीत से हल करना चाहिए। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी मीडिया से बात करते हुए इस प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

कंगना ने कहा कि संसदीय सत्र का उद्देश्य ही हर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करना है। हंगामा करके सरकार पर दबाव बनाना और यह तय करने की कोशिश करना कि किसे पद पर रखा जाए और किसे हटाया जाए, पूरी तरह से गलत है। जहां एक तरफ बॉलीवुड के कई सेलेब्स को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, सीजेपी के आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिला है। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और अपना समर्थन जताया। उनके अलावा प्रकाश राज भी प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। सोशल मीडिया पर इमरान खान, नसीरुद्दीन शाह, जीनत अमान, अभय देओल, सोनी राजदान, सोनाक्षी सिन्हा, ओमी वैद्य, और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकार भी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी राय रख चुके हैं।

मोदी सरकार किसानों और छात्रों के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की तरह लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति भी असंवेदनशील और उदासीन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि ठीक एक साल पहले तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पांच साल के कार्यकाल के तीन साल बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा और मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार–बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी तरह की असंवेदनशीलता और उदासीनता अब लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के मामले में भी पूरी तरह दिखाई दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ को राज्यसभा के सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई देने का शिष्टाचार भी नहीं दिखाया गया। पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था।

सीजेआई की टिप्पणी न होती तो प्रदर्शन नहीं होता: राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा मई महीने में दी गई विवादित कॉकरोच टिप्पणी से प्रेरित होकर बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च निकाला। इस प्रदर्शन का श्रेय राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीजेआई सूर्यकांत को दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर सीजेआई का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि इस बड़े आंदोलन का श्रेय केवल एक व्यक्ति को जाता है, जिन्होंने देश की निष्क्रिय जनता में नई ऊर्जा भर दी। हालांकि, छात्रों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी वाला यह मार्च आगे चलकर उग्र हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं, जबकि 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

यह पूरा मामला मई के मध्य का है, जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ एक वकील से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कुछ युवा कॉकरोच और परजीवी की तरह होते हैं, जिन्हें जब रोजगार या किसी पेशे में जगह नहीं मिलती, तो वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई कार्यकर्ता बनकर व्यवस्था पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी पर हुए भारी विवाद के बाद सीजेआई ने 16 मई को सफाई जारी की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी मंशा देश के युवाओं को निशाना बनाने की बिल्कुल नहीं थी, बल्कि उन्होंने केवल फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत या अन्य पेशों में घुसपैठ करने वाले लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। उन्होंने भारतीय युवाओं को देश के विकास का मजबूत स्तंभ करार दिया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच

शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहाँ पेपर लीक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के कारण माहौल गर्म है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब से किसानों का बड़ा हुजूम दिल्ली की ओर रवाना हो चुका है। किसान भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को दिल्ली में महापंचायत करने से रोक रही है और दमनकारी नीति अपना रही है।

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा और घग्गर नदी के पुलों पर पुलिस बल की भारी तैनाती कर दी गई है। देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर निकले किसान दिल्ली स्थित किसान घाट पहुँचकर एक दिवसीय महापंचायत करना चाहते हैं। फतेहगढ़ साहिब से करीब एक हजार से अधिक किसानों का जत्था सरहिंद होते हुए शंभू बॉर्डर पहुँचा है। किसान नेताओं का कहना है कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति का जायजा लेने और परस्पर बातचीत करने के बाद ही आगे के ठोस कदम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दूसरी ओर, स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हरियाणा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी को कुरुक्षेत्र में दिल्ली कूच करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। किसानों का दावा है कि राज्य पुलिस बड़े पैमाने पर किसान कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। किसानों की मुख्य चिंता यह है कि अमेरिका के साथ होने जा रहे इस व्यापार समझौते से देश में कृषि और अन्य विदेशी सामान बेहद सस्ती कीमतों पर आयात होने लगेगा। इससे भारतीय किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिसका सीधा और प्रतिकूल असर देश के किसानों तथा खेतिहर मजदूरों पर पड़ेगा। किसानों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने और देश के आम किसानों तथा मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चुप्पी तोड़ें और छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, युवाओं के विरोध का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर मौन हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, कल जो हुआ, उसके लिए मोदी जी ने माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पूरा देश जानता है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को दीमक ने खोखला कर दिया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? उन्हें छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और यह सब बंद करवाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है तथा लगातार सामने आ रहे विवादों ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : चंपत भूमिका पर फैसला होगा जल्द, गवाह या सह-आरोपी बनने पर सस्पेंस

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय की भूमिका अब जांच के निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय के बयान और गवाही को इस पूरे मामले में अभियोजन पक्ष के लिए बेहद मजबूत साक्ष्य माना जा रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही यह तय हो जाएगा कि चंपत राय मुकदमे में मुख्य गवाह बनेंगे या फिर सह-आरोपी। हालांकि, अब तक की जांच में उनका पूरा सहयोग रहा है और उनके बयानों के आधार पर ही आरोपियों से पूछताछ की गई है, जिससे उनके मुख्य साक्षी बनने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है।

एसआईटी और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दानपात्रों के चढ़ावे की गणना के दौरान बाथरूम में कुछ रुपये मिलने के बाद इस चोरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुए चंपत राय ने संदिग्धों की तलाश की और 5 जून को पुलिस के साथ निकलकर करीब 80 लाख रुपये बरामद करवाए थे। इसके बाद ही एसआईटी का गठन हुआ और ट्रस्टी कृष्णमोहन की शिकायत पर 8 नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यद्यपि शुरुआती स्तर पर मामले को दबाने के प्रयास और चंपत राय द्वारा दी गई सफाई के कारण उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने ही राज्य सरकार से एसआईटी जांच की सिफारिश की थी।

कानूनी दृष्टिकोण से चंपत राय की गवाही इस पूरे मुकदमे की नींव बनेगी। उन्होंने पूछताछ के दौरान एसआईटी और पुलिस को हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है और सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि यदि वह अदालत में आधिकारिक तौर पर गवाही देते हैं, तो आरोपियों पर दोष सिद्ध करना आसान हो जाएगा और मुकदमा बेहद मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर, यदि वह कानूनी तौर पर गवाही देने से पीछे हटते हैं, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी उनकी गवाही के आधार पर ही चार्जशीट को अंतिम रूप देने में जुटी है।

त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत पर सियासत तेज, विपक्ष ने मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग ढंकर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी माकपा (सीपीआई-एम) ने मामले की मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है।

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अनुराग ढंकर जैसे मजबूत और अनुभवी अधिकारी के आत्महत्या करने की बात सहज स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों से भाजपा सरकार के दौरान आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी अनुराग ढंकर का शव मंगलवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के वॉशरूम में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और गृह सचिव पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्हें तत्काल एजीएमसी एवं जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डीजीपी अनुराग ढंकर का निधन अत्यंत दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विपक्ष ने पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

अब बिहार के भागलपुर में निकले पिता-पुत्री कोरोना संक्रमित

–दोनों मरीज जेएलएनएमसीएच में भर्ती, संपर्क में आए लोगों की जांच के निर्देश

–आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बढ़ी सतर्कता

पटना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के बाद अब बिहार में भी कोविड-19 ने दस्तक दी है। भागलपुर जिले में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग और उनकी 35 वर्षीय बेटी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे ने सोमवार को बताया कि बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई से खराब थी। प्रारंभिक उपचार एक निजी क्लिनिक में कराया गया, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी आरटी-पीसीआर जांच कराई गई, जिसमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की। जांच के दौरान उनकी 35 वर्षीय बेटी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती कर गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पताल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जानकारी में दूसरे संक्रमित को मरीज की पत्नी बताया गया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह उनकी बेटी हैं।

भागलपुर जिला प्रशासन ने भी आधिकारिक बयान जारी कर दोनों मामलों की पुष्टि की है। प्रशासन ने जिले में कोरोना संबंधी सभी आवश्यक प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक को संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराने तथा आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जेएलएनएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार और आवश्यक सावधानियां संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा स्वच्छता और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करें।

किशोरियों के सशक्तिकरण को लेकर किया जागरूकता कार्यक्रम

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समेत जनकल्याणकारी योजनाओं की दी विस्तृत जानकारी

'एक पेड़ बेटी के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित

बिभा संवाददाता

बरहरवा । जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में बरहरवा प्रखंड स्थित श्रीकुंड गुमानी प्लस टू उच्च विद्यालय में किशोरियों के सर्वांगीण विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, कानूनी अधिकारों और स्वास्थ्य संबंधी विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत, डायन प्रथा उन्मूलन, डिजिटल साक्षरता, बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन तथा सखी वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) की सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में उपलब्ध कानूनी, चिकित्सीय और परामर्श सेवाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर और फोस्टर केयर सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। छात्राओं से इन योजनाओं का लाभ उठाने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के तहत एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कराया गया। साथ ही किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) चंदा कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मो. इकबाल, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं अधिकारियों ने छात्राओं से शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बेटियां ही समृद्ध और विकसित समाज की आधारशिला हैं।

एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

बिभा संवाददाता

बरहरवा । भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार झारखंड में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत 05-पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बरहरवा प्रखंड स्थित मतदान केंद्र संख्या 137, 19, 134 एवं 39 के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय-सीमा से पहले, 19 जुलाई 2026 तक शत-प्रतिशत पूरा कर लिया। इस उपलब्धि पर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय, बरहरवा में आयोजित सम्मान समारोह में एईआरओ-सह-बीडीओ सन्नी कुमार दास ने संबंधित सभी बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एईआरओ-सह-बीडीओ सन्नी कुमार दास ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी, अद्यतन एवं शत-प्रतिशत प्रमाणिक बनाने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सम्मानित बीएलओ के समर्पण, अनुशासन और समयबद्ध कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए इसे अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इसी प्रतिबद्धता और टीम भावना के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के शेष कार्य भी सफलतापूर्वक पूरे किए जाएंगे, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही एवं अद्यतन रूप में दर्ज हो सके।

स्वतंत्रता दिवस की थीम पर जवाहर नवोदय विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय साहेबगंज में आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को ₹स्वतंत्रता दिवस₹ विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं प्रतियोगिता का संचालन कला शिक्षक राजू कुमार गोंड ने किया। विद्यार्थियों ने अपनी चित्रकृतियों के माध्यम से तिरंगा, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, स्वच्छ एवं विकसित भारत तथा देशभक्ति की भावना को सजीव रूप से उकेरा। प्रतिभागियों की रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर प्राचार्य आलोक कुमार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मक सोच, राष्ट्रभक्ति और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय प्रबंधन ने प्रतियोगिता को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन बताया।

संक्षिप्त खबरें

शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोगों ने किया आवेदन जमा

उधवा(बिभा) । साहेबगंज एसडीओ सह प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन के निदेशानुसार उधवा प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को आम जनता को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों ने बड़ी संख्या लोग पहुंचे। जानकारी के अनुसार शिविर में 50 से अधिक लोगों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन जमा किया। जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारियों ने आवेदकों के दस्तावेजों की जांच व अन्य प्रक्रिया के बाद 25 आवेदकों के आवेदन स्वीकृत किया। प्रतिनियुक्ति कर्मी ने बताया कि आगामी 23 जुलाई को भी उधवा प्रखंड मुख्यालय में शिविर आयोजित की जाएगी। मौके पर ऑपरेटर जगन्नाथ, सुमित कुमार, ऋतिक कुमारी, अजय साहा सहित अन्य मौजूद थे।

सांड के हमले में वृद्ध की मौत

तालझारी(बिभा) । तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया गांव में मंगलवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में 70 वर्षीय रामप्रसाद मंडल की सांड के हमले में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रामप्रसाद मंडल मंगलवार की शाम अपने घर के सामने दरवाजे पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक एक सांड ने उन पर हमला कर दिया। सांड ने उन्हें जोरदार टक्कर मारकर जमीन पर पटक दिया जिससे उनकी मौत हो गई। इधर घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

डेंगू रोधी माह के तहत एसपी आवास पर चला कंटेनर सर्वे अभियान

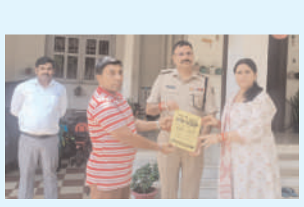

पाकुड़(बिभा)। जिले में चल रहे डेंगू रोधी माह के तहत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के आवास परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कंटेनर सर्वे अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने परिसर का निरीक्षण कर गमलों, कूलर तथा अन्य जल पात्रों में सात दिनों से अधिक समय से जमा पानी को हटाया, ताकि डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर के लार्वा को पनपने से रोका जा सके। अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी ने भी भाग लिया। उन्होंने जिलेवासियों से अपने घरों, आंगन, छत, गमलों, कूलर, पुराने टायर तथा अन्य जल-जमाव वाले स्थानों की नियमित सफाई करने और कहीं भी पानी जमा नहीं होने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय साफ-सफाई बनाए रखना और जल-जमाव को रोकना है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के राज किशोर प्रसाद (केटीएस), रंजन कर्मकार (एमपीडब्ल्यू), राकेश कुमार सिंह (एमपीडब्ल्यू) सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सप्ताह में कम से कम एक दिन ₹ड्राई डे₹ मनाते हुए सभी जल पात्रों को खाली कर साफ करने तथा डेंगू रोकथाम अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर एसडीओ ने की बैठक

देवघर(बिभा) : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आज अनुमंडल कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी, रवि कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले के दौरान देवघर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए बेहतर यातायात सुविधाएं सुनिश्चित करना और सड़क सुरक्षा नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराना है। इसके अलावा बैठक के दौरान अनुमण्डल पदाधिकारी रवि कुमार ने सुगम आवाजाही के लिए बेहतर यातायात व्यवस्था और शुल्क निर्धारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र और देवघर शहर में यातायात को नियंत्रित करने के लिए वाहनों हेतु निर्धारित रूटलाइन व नो-एंट्री जोन से जुड़ी जानकारियों से सभी को अवगत कराया। अनुमण्डल पदाधिकारी ने देवघर शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए विशेष रूटलाइन तैयार करने तथा नो-एंट्री जोन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न वाहनों और सेवा प्रदाताओं हेतु न्यायसंगत शुल्क निर्धारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, ताकि किसी भी श्रद्धालु से अतिरिक्त शुल्क न वसूला जा सके। आगे बैठक में उन्होंने उपस्थित बस, टैम्पू और टोटो एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही राजकीय श्रावणी मेला 2026 का आयोजन पूरी तरह सुरक्षित और सफल बनाया जा सकता है।

जन समाधान दिवस में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं

आमजनों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकताःउपायुक्त

संजय साहा

पाकुड़। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित जन समाधान दिवस में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को सभी आवेदनों की निष्पक्ष जांच कर त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जन समाधान दिवस में व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों में आवेदन प्राप्त हुए। इनमें एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुमारभाजा एवं राजबाड़ी में अतिथि शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितता, उत्क्रमित मध्य विद्यालय की चारदीवारी निर्माण कार्य की बकाया राशि के भुगतान, घर में जबरन प्रवेश कर तोड़फोड़ एवं लूटपाट की शिकायत, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) निर्गत कराने सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन शामिल थे।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जन समाधान दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। इसका उद्देश्य नागरिकों को उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना तथा उन्हें सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ बिना अनावश्यक विलंब के दिलाना है।

अवैध विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब व बीयर बरामद

बिभा संवाददाता

पाकुड़। मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र के ग्राम पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला) में पुलिस ने अवैध विदेशी शराब के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब एवं बीयर बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला) निवासी सुरेश पहाड़िया उर्फ बुधना पहाड़िया अपने घर में अवैध रूप से विदेशी शराब की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के घर से रॉयल स्टैग कंपनी की 350 एमएल की तीन बोतल, 180 एमएल की 36 बोतल तथा किंगफिशर कंपनी की 650 एमएल की 46 बोतल बीयर बरामद की। मौके से सुरेश पहाड़िया उर्फ बुधना पहाड़िया (33 वर्ष), पिता स्वर्गीय नेपाल पुजहर, निवासी ग्राम पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला), थाना मालपहाड़ी ओपी, जिला पाकुड़ को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में मालपहाड़ी ओपी थाना कांड संख्या 180/2026 के तहत झारखंड उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव, मालपहाड़ी ओपी प्रभारी राहुल गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक सचिन कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सुनील कुमार रजक, भुदेव कुमार दास, अयोध्या राम तथा आरक्षी किशोर मरांडी, प्रकाश रजक एवं राजीव कुमार शर्मा शामिल थे।

कोटालपोखर थाना में 'बाल मित्र थाना' अवधारणा पर उन्मुखीकरण, बाल संरक्षण तंत्र होगा और मजबूत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में बाल संरक्षण तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में मंगलवार को कोटालपोखर थाना में 'बाल मित्र थाना' की अवधारणा पर विशेष उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर बाल मित्र थाना की अवधारणा, उद्देश्य, कार्यप्रणाली और दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि बाल मित्र थाना का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, संवेदनशील और बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों, बाल अपराध से प्रभावित बच्चों तथा विधि से संघर्षरत बच्चों के मामलों का मानवीय एवं बाल हित सर्वोपरि के सिद्धांत के अनुरूप निस्तारण किया जा सके। इस दौरान पुलिस, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, जरूरत पड़ने पर त्वरित सहायता एवं रेफरल सुनिश्चित करने तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 सहित अन्य बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं थाना प्रभारी ने बाल संरक्षण से जुड़े प्रत्येक मामले में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर संवेदनशील एवं उत्तरदायी तरीके से कार्य किया जाएगा। जिला प्रशासन के अनुसार यह पहल साहेबगंज में बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक मजबूत करने, संस्थागत समन्वय बढ़ाने तथा बच्चों के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक देवघर में संपन्न

समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक सूत्र में जोड़ना ही सम्मेलन का मूल उद्देश्यः सुरेश

बिभा संवाददाता

देवघर : देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में जैन मंदिर परिसर आयोजित झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, देवघर,गिरिडीह, जामताड़ा, बोकारो, धनबाद जिला,सहित कार्यसमिति के सदस्यों की सहभागिता रही। बैठक का शुभारंभ देवघर जिलाध्यक्ष अशोक डालमिया द्वारा स्वागत भाषण एवं प्रांतीय अध्यक्ष सुरेशचंद्र अग्रवाल के संबोधन के साथ हुआ। इसके पश्चात अनुपस्थिति का अनुमोदन, एवं पिछली कार्यसमिति की कार्यवाही की पुष्टि,तथा प्रांतीय महामंत्री विनोद जैन द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, तथा वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित आय-व्यय को आमसभा में प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदित किया गया। बैठक में उपाध्यक्षगण, मंडलीय उपाध्यक्षों, जिला अध्यक्षों एवं शाखा अध्यक्षों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।संविधान संशोधन संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई,और कुछ संशोधन के साथ संविधान संशोधन को पास किया गया। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद डालमिया ने अपने विचार रखे, भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई तथा विविध विषयों पर विचार-विमर्श के उपरांत धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई। अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज को संगठित करना है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक सूत्र में जोड़ना ही सम्मेलन का मूल उद्देश्य है, जबकि अन्य सभी कार्य द्वितीयक हैं। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित राजस्थान महोत्सव को ऐतिहासिक बताया। तथा जिलाध्यक्ष मुकेश मित्तल एवं उनकी पूरी टीम के कार्यों की सराहना की। बैठक में संविधान संशोधन के तहत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापंचायत के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई और पूर्व राज्य सभा सांसद श्री महेश पोद्दार को उसका संयोजक नियुक्त करने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त, संपत्ति संरक्षक मंडल के गठन पर भी सहमति बनी। बैठक में सम्मेलन के कार्यालय एवं लगभग पच्चीस लाख की राशि के ट्रस्ट में कथित रूप से गलत ढंग से चले जाने के विषय पर भी गंभीर चर्चा हुई। इस संबंध में ट्रस्ट के पदाधिकारियों को 31 अगस्त तक का समय देते हुए स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक समाधान नहीं हुआ तो संगठन कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में संगठन विस्तार पर विशेष बल देते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला को राज्य में सर्वाधिक सदस्य बनाने के लिए पुरस्कृत किया गया।बैठक में गए सभीप्रतिनिधियों ने बाबा बैद्यनाथ धाम एवं श्री श्याम मंदिर में दर्शन-पूजन कर समाज, संगठन एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से 150 से भी अधिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।तथा रांची जिला से 25 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें प्रांतीय वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, पवन कुमार पोद्दार,विनोद जैन, मनोज चौधरी, कमल कुमार केडिया, राजेंद्र केडिया,सज्जन पाड़िया, सुभाष पटवारी, रमाशंकर बगड़िया, रमन बोडा, विजय कुमार खोवाल, सुनील पोद्दार, सुरेश चौधरी, राजकुमार मित्तल, अजय डीडवानिया, नेहा पटवारी, चेतन कुमार आदि शामिल है। उक्त जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

तीन वर्षों से लंबित भुगतान की मांग को लेकर ममता वाहन संचालकों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिले के विभिन्न ममता वाहन संचालकों ने वर्ष 2023 से लंबित भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संचालकों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनके द्वारा किए गए कार्य का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। वाहन संचालकों का कहना है कि समय पर भुगतान नहीं मिलने के कारण वाहन संचालन, चालकों का वेतन, रखरखाव, ईंधन तथा अन्य आवश्यक खर्चों का वहन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधिमंडल की संबंधित अधिकारियों से मुलाकात हुई। अधिकारियों ने संचालकों को आश्वस्त किया कि मामला उनके संज्ञान में है। इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और लंबित भुगतान के संबंध में उचित निर्णय लिया जाएगा। वहीं ममता वाहन संचालकों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करेगा, ताकि वे बिना आर्थिक बाधा के स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

एसीएमई सोलर ने सेकी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने 300 मेगावाट की अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी एसीएमई रिन्यूटेक फिफ्थ प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना के लिए सेकी के साथ 25 वर्ष की अवधि का बिजली खरीद समझौता किया है। बयान के अनुसार इस परियोजना के लिए शुल्क को केंद्रीय और राज्य नियामकों से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

रिलायंस का कैंपा कोल्ड ड्रिंक बाजार में छाया, बना तीसरा खिलाड़ी

कई बाजारों में दोहरे अंकों की हिस्सेदारी, कोका-कोला व पेप्सिको को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) का सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा भारतीय बाजार में तेजी से पैठ बना रहा है। अब यह देश के गैर-मादक रेडी-टू-ड्रिंक (एनएआरटीडी) पेय बाजार की तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी बन गई है, जो कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित ब्रांडों को कड़ी चुनौती दे रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार, जून तिमाही में पेय कारोबार से लगभग 2,900 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो उल्लेखनीय वृद्धि है। कैंपा और इंडिपेंडेंस जैसे ब्रांडों की बदौलत कंपनी ने कई क्षेत्रीय बाजारों में पहले ही दोहरे अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2023 में दोबारा लॉन्च के बाद, कैंपा ने आक्रामक मूल्य निर्धारण, व्यापक वितरण नेटवर्क और उत्पाद विविधता के दम पर तेजी से विस्तार किया है। कंपनी ने कोला के अलावा लेमन, ऑरेंज और एनर्जी ड्रिंक जैसे उत्पादों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर रिलायंस अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है और नए बैवरेज प्लांट का एक हिस्सा शुरू कर चुकी है। कंपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भी ध्यान दे रही है, जैसे ऑस्ट्रेलिया में कैंपा कैन का उत्पादन और अफ्रीकी बाजारों में प्रवेश। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह गति बनी रही तो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी।

रुपए की तेज गिरावट शेयर बाजार के लिए असली खतरा, स्तर नहीं!

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 96.64 के स्तर पर, इस साल 7 फीसदी कमजोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है, जो मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 96.64 के स्तर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की सतर्कता के चलते इस साल अब तक रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 7 फीसदी कमजोर हो चुका है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या रुपये की यह लगातार कमजोरी भारतीय शेयर बाजार के लिए भी खतरे की घंटी है? एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट इस पर अहम जानकारी देती है। 18 साल के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, शेयर बाजार के लिए रुपये का किसी खास स्तर (जैसे 96 या 100) पर पहुंचना उतनी बड़ी चिंता नहीं है, जितनी उसकी कमजोरी की रफ्तार। रिपोर्ट बताती हैं कि शेयर बाजार रुपये में होने वाली 2 से 3 फीसदी की सामान्य गिरावट को तो आसानी से स्वीकार कर लेता है। लेकिन जब रुपये के कमजोर होने की गति पिछले साल के मुकाबले अचानक तेज हो जाती है, तब बाजार इसे अर्थव्यवस्था में बढ़ते जोखिम का संकेत मानता है और इसका असर शेयरों पर भी दिखाई देता है। रिपोर्ट बताती है कि 2008 में जब रुपये की सालाना गिरावट करीब 7 फीसदी तक पहुंच गई थी (पहले यह 2 फीसदी थी), तब निफ्टी का रिटर्न 20 फीसदी से घटकर सिर्फ 4 फीसदी रह गया था।` रिपोर्ट के अनुसार रुपये की तेज गिरावट का असर तीन बड़े रास्तों से शेयर बाजार तक पहुंचता है- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और चालू खाते का घाटा, विदेशी निवेशकों की निकासी, और आयातित कच्चे माल पर निर्भर कंपनियों की लागत में वृद्धि, जिससे मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

100-200 ही नहीं, 50 रुपये के नकली नोट से भी रहें सतर्क

नई दिल्ली ।

अक्सर हम बड़ी खरीदारी में ही नोटों की जांच करते हैं, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपये जैसे छोटे नोटों पर भी सतर्क रहने की अपील की है। बाजार में 50 रुपये के नकली नोटों के चलन बढ़ने की खबरों के बीच आरबीआई ने आम जनता के लिए असली नोटों की पहचान करने के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स साझा किए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के अनुसार, लोग अक्सर 50, 20 या 10 रुपये के नोटों को बिना जांचे जेब में रख लेते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। असली 50 रुपये के नोट की पहचान के लिए इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दें-सी-थ्रू फीचर- नोट के नीचे बाईं ओर 50 का एक पारदर्शी अंक होता है, जो रोशनी में रखने पर साफ दिखाई देता है।देवनागरी में 50- नोट पर 50 का अंक हिंदी (देवनागरी लिपि) में भी अंकित होता है।-महात्मा गांधी का चित्र- नोट के बीचों-बीच महात्मा गांधी की स्पष्ट तस्वीर छपी होती है।- गवर्नर के हस्ताक्षर- नोट के दाईं ओर आरबीआई का लोगो, गवर्नर के हस्ताक्षर और भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) मौजूद होता है। बढ़ते क्रम में सीरियल नंबर- ऊपर बाईं और नीचे दाईं ओर लिखे सीरियल नंबर के अंक छोटे से बड़े आकार में बढ़ते क्रम में होते हैं।अशोक स्तंभ- नोट के नीचे दाईं ओर राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का प्रतीक बना होता है।रिजर्व बैंक समय-समय पर लोगों से अपील करता है कि वे नकली नोटों के जाल में फंसने से बचने के लिए सुरक्षा फीचर्स की पूरी जानकारी रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि इन फीचर्स को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया है कि इनकी हूबहू नकल करना नामुमकिन है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.27 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 100.97 पर रहा।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके। कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। फिलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस के शेयरों में रही। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी खराब हालातों को देखते हुए निवेशकों ने भी बाजार से दूरी बनायी हुई है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन भी बाजार नीचे आया है। गत दिवस सोमवार को भी बाजार नीचे आया था।

आज दिन भर के कारोबार के बाद कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 238.41 अंक नीचे आकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 50.80 अंक फिसलकर 24,187.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट रही जबकि एसबीआई, रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनवर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी उछाला आया । इसके अलावा इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, कोटक बैंक और मारुति के शेयर भी उछले।

निफ्टी में एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। । ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी केमिकल और निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई । सुबह निफ्टी 50 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,241.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी 8.79 अंक चढ़कर 77,717.31 पर पहुंच गया। बाजार में विदेशी पूंजी निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी दबाव बढ़ा।

सैमसंग का गैलेक्सी अनपैक्ड: आज तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन से उठेगा पर्दा

मुंबई, ।

तकनीक की दुनिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग आज, 22 जुलाई को, अपना बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करेगी, जिसमें वह पहली बार तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश कर सकती है।

भारतीय समयानुसार यह कार्यक्रम शाम 6-30 बजे लंदन में शुरू होगा और इवेंट पर सबकी निगाहें टिकी हैं। हर साल की तरह इस बार भी कंपनी अपनी नई फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रृंखला से पर्दा उठा सकती है, लेकिन इस बार संख्या और विविधता दोनों में कुछ नयापन देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसंग इस बार गैलेक्सी जेड फोल्ड 8, गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 को पेश कर सकता है। माना जा रहा है कि फोल्ड सीरीज़ में पहली बार एक अलग अल्ट्रा मॉडल शामिल किया जाएगा,

जो प्रीमियम अनुभव का वादा करता है। कंपनी ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की लगभग 28 लाख, जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा की 20 लाख और जेड फ्लिप 8 की करीब 15 लाख यूनिट के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो उनकी बाजार में अपेक्षित मांग को दर्शाता है।

लीक्स बताते हैं कि गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 में चौड़े पासपोर्ट-स्टाइल फोल्डेबल डिजाइन के साथ 4-3 आस्पेक्ट रेशियो वाली डिस्प्ले मिल सकती है। यह मॉडल अल्ट्रा संस्करण की तुलना में आकार में छोटा हो सकता है और इसके पिछले हिस्से पर तीन की बजाय दो कैमरे दिए जाने की संभावना है।

इससे संकेत मिलता है कि कंपनी एक अपेक्षाकृत किफायती फोल्डेबल स्मार्टफोन भी बाजार में उतार सकती है ताकि अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई जा सके। हालांकि, इन सभी जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। यह इवेंट सैमसंग की आधिकारिक वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा

। फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सैमसंग का यह आयोजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कंपनी अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखने के लिए नए इनोवेशन पेश कर रही है। नए स्मार्टफोनों के फीचर्स, कीमत और उपलब्धता से जुड़ी पूरी जानकारी आज शाम गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान ही सामने आएगी।

ईयू का अलीएक्सप्रेस पर शिकंजा- 5,500 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना

मुंबई ।

यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने चीन की टेक दिग्गज अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीएक्सप्रेस पर 550 मिलियन यूरो (करीब 5,500 करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म पर नकली, गैरकानूनी और असुरक्षित उत्पादों की बिक्री रोकने में विफलता के आरोप में की गई है। यूरोपीय अधिकारियों के अनुसार, अलीएक्सप्रेस पर बिक रहे कई उत्पाद यूरोपीय सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन कर रहे थे। इनमें खिलौने और कॉस्मेटिक जैसे उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि नियमों का उल्लंघन करने पर हटाए गए कई उत्पाद दोबारा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो गए और कुछ मामलों में तो ग्राहकों को उनकी सिफारिश भी की गई। यह कार्रवाई मार्च 2024 में शुरू हुई जांच के बाद ईयू के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करना है। यह किसी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। हालांकि, अलीएक्सप्रेस ने इस फैसले का विरोध करते हुए जुर्माने की राशि को अत्यधिक बताया है और कानूनी विकल्पों का उपयोग करने का संकेत दिया है। ईयू ने कंपनी को 20 अक्टूबर तक जुर्माने का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यूरोप, अलीएक्सप्रेस का सबसे बड़ा बाजार है, जहां उसके लगभग 19.3 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी।

जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके।

कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

फलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

अमेरिका का कनाडा पर व्यापारिक वार, अधिकांश आयात पर 50 फीसदी शुल्क

आर्थिक अनिश्चितता और दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाली अधिकतर वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दोनों देशों के व्यापार संबंधों में नया तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा पर अमेरिकी वाहनों, मादक पेय और डेयरी उत्पादों के साथ अनुचित भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इस कदम से आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने ट्रंप द्वारा लगाए गए पिछले शुल्कों के जवाब में प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की थी, और उसे अब इसके लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 1930 के व्यापार अधिनियम की धारा 338 के तहत इन शुल्कों को लागू करने के लिए तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष कई डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस धारा को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था, उनका तर्क था कि राष्ट्रपति इसका उपयोग अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए कर सकते हैं। नए 50 प्रतिशत शुल्क के दायरे से ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को बाहर रखा गया है। हालांकि, इसमें वे वस्तुएं शामिल होंगी जिन्हें पहले अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत आयात शुल्क से छूट प्राप्त थी।

वर्ष 2020 में लागू हुए इस व्यापार समझौते की समीक्षा और नए सिरे से वार्ता शुरू हुई है, जो 2036 तक इसकी अवधि बढ़ाने की दिशा तय कर सकती है। व्हाइट हाउस के तथ्य पत्रक के अनुसार, ये शुल्क 30 दिन बाद प्रभावी होंगे।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की एनएसई पर धमाकेदार लिस्टिंग

निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का फायदा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयरों ने मंगलवार को शेयर बाजारों में जोरदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर एनएसई पर 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का शानदार लिस्टिंग गेन मिला। बीएसई पर भी शेयर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 574 रुपए से ऊपर रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 545 से 574 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। निवेशकों ने इस इश्यू में जबरदस्त रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र रूप से 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में इसे 140.11 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 22.51 गुना बोलियां मिलीं, जबकि खुदरा निवेशकों ने भी 3.76 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसका अर्थ है कि आईपीओ से जुटाया गया पैसा कंपनी के बजाय प्रमोटरों, एसबीआई और अमुंडी के पास गया।एसबीआई ने इस आईपीओ के माध्यम से 9,95,01,649 शेयर बेचे, वहीं अमुंडी इंडिया होल्डिंग ने 7,14,54,982 शेयर बेचे। इस सौदे के बाद अब कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 60.32 फीसदी और अमुंडी की हिस्सेदारी 36.06 फीसदी रह गई है। बड़े निवेशकों ने भी इस आईपीओ में अपनी दिलचस्पी दिखाई। एसबीआई फंड्स ने एंकर निवेशकों से 2,662.96 करोड़ रुपए जुटाए थे।ब्लैकरॉक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सॉक्स और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे 129 दिग्गज संस्थानों ने एंकर बुक के तहत शेयर खरीदे थे। वर्ष 1987 में स्थापित, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड तिमाही औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक कंपनी के पास म्यूचुअल फंड में 12.51 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति थी और इसका मार्केट शेयर 15.3 फीसदी था।

पूर्वोत्तर भारत में डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क को मजबूत करते हुए, जीनस इनोवेशन ने रांची डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन में पेश किया हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर

रांची: एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स (ईएसएस) और रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस (आरईएमएस) के क्षेत्र में काम करने वाले जीनस इनोवेशन लिमिटेड ने हाल ही में रांची में डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें पूर्वोत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों से जुड़े चैनल पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने पार्टनर्स के साथ जुड़ाव को और मजबूत करना तथा हाइब्रिड सोलर इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस से जुड़ी कंपनी की नई तकनीकों से उन्हें रूबरू कराना था।

इस मौके पर कंपनी ने अपने नए हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर की शुरूआत भी की। इसके जरिए जीनस इनोवेशन का उद्देश्य तेजी से बढ़ते बाजारों में स्मार्ट और बैटरी सपोर्ट वाले सोलर सॉल्यूशंस को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाना है।

यह डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन कंपनी और उसके चैनल पार्टनर्स के बीच बातचीत का एक अहम मंच रही। इस दौरान, कंपनी ने अपनी आगे की योजनाओं को साझा किया और सोलर व एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस की अपनी बढ़ती रेंज के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के जरिए कंपनी ने यह भी बताया कि वह अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को नए प्रोडक्ट्स, जरूरी तकनीकी

जानकारी और कारोबार बढ़ाने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। जीनस इनोवेशन का यह नया समाधान सोलर, बैटरी और ग्रिड पॉवर को बेहतर तरीके से एक साथ जोड़ने की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। और साथ ही, इससे उपभोक्ता अपने बिजली बिल को लगभग ना के बराबर कर पाएंगे।

कंपनी की रेंज में इस नए प्रोडक्ट को शामिल किए जाने पर जीनस इनोवेशन लिमिटेड के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स ऑफिसर यश तोदी ने कहा, “हमारे डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर्स जीनस इनोवेशन की विकास यात्रा के सबसे अहम हिस्सों में से एक हैं। भारत में ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और सोलर एनर्जी व एनर्जी स्टोरेज की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि हम अपने चैनल पार्टनर्स को ऐसी तकनीकों से जोड़ें, जो ग्राहकों की नई जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ कारोबार के नए अवसर भी उत्पन्न करें। उन्होंने कहा, “पूर्वोत्तर भारत, खासकर रांची में रूफटॉप सोलर और भरोसेमंद बैकअप सॉल्यूशंस को लेकर लोगों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

–बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है ?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटित होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछ्ला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न ।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है।इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी।इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी।पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे।इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे।चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है।उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं।बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है।मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो ।अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं।खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है।मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा।इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये।वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया।फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी।मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा।उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे।मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है।गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड ।फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है।टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े।टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की।सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई।हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई।इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे।वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है।हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

–सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

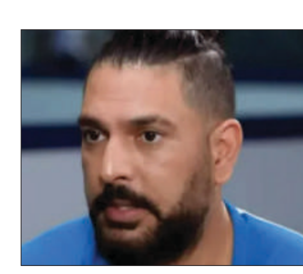

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है।स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है।इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी।अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसाद्देक हुसैन भी थे।स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था।उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए।ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे।अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की।उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है।टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है।स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

पेज एक का शेष

पेज एक का शेष

कैबिनेट के अन्य फैसले..

- गिरिडीह के जमुआ में 38 करोड़ रुपये की लागत से एक डिग्री महाविद्यालय खोलने की मंजूरी दी है।
- रामगढ़ जिले के मांडू विधानसभा के अंतर्गत मांडू डिग्री महाविद्यालय के निर्माण के लिए 40 करोड़ 14 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और अधिकारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ अब 01 जनवरी 2016 से मिलेगा। उन्हें बकाया राशि 06 प्रतिशत ब्याज के साथ देने का निर्णय लिया गया।
- झारखंड उच्च न्यायालय में सरकार का पक्ष मजबूत रखने के लिए महाधिवक्ता और अन्य विधि पदाधिकारियों के वेतन में संशोधन किया गया है। साथ ही 63 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई।
- अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति को मेडिकल बीमा, पेंशन और अन्य योजनाओं के लिए 12.32 करोड़ रुपये देने का फैसला लिया गया।
- झारखंड न्यायिक सेवा भर्ती नियमावली 2004 और उच्चतर न्यायिक सेवा भर्ती नियमावली 2001 में संशोधन को मंजूरी दी गई है।
- झारखंड उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर संजय कुमार सरोज और आनंद कुमार त्रिपाठी की जिला न्यायाधीश के रूप में सीधी नियुक्ति का निर्णय लिया गया।
- लगातार अनुपस्थित रहने के कारण बोकारो के कसमार में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना चौधरी को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई।
- खान एवं भूतत्व विभाग की पुरानी देनदारियों के भुगतान के लिए 146 करोड़ रुपये की मंजूर दी गई।
- एजी कार्यालय के डिजिटलीकरण के तीसरे चरण के लिए 46.85 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।
- मनरेगा और जल जीवन मिशन से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने का निर्णय लिया गया।
- बुंडू में अनुमंडलीय न्यायालय के गठन से पहले आवश्यक नीतिगत निर्णय लेने का फैसला किया गया।
- धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में एमबीबीएस की सीटें 100 से बढ़ाकर 250 और पीजी सीटें 16 से बढ़ाकर 200 करने के लिए पहले चरण में 194.73 करोड़ रुपये की स्वी कृति दी गई।
- पूर्वी सिंहभूम में भुइयां सिनान से सुसनी तक 22.44 किलोमीटर सड़क के लिए 102.40 करोड़ रुपये स्वीकृत दी गई।
- गुमला में घाघरा से जोकारी घाटी तक 19 किलोमीटर सड़क के लिए 101.77 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई।
- रांची में टांगरबसली मोड़ से बोबरो मोड़ तक 11.57 किलोमीटर सड़क के लिए 63.77 करोड़, गुमला में परवल आरसीडी पथ से करंज पथ तक 14.25 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 76.75 करोड़ रुपये, जबकि खेराबनी से रानी घाघर तक 9.17 किलोमीटर सड़क के लिए 53.73 करोड़ रुपये की स्वीकृत दी गई।
- आदित्यपुर नगर निगम के नए भवन निर्माण के लिए 39.67 करोड़ रुपये की स्वीकृ ति दी गई।
- झारखंड बिल्डिंग बाय-लॉज लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कोई संस्थान, प्रशासनिक कार्यालय या उद्योग स्थापित होगा, वहां नक्शा पास कराने के लिए सड़क की न्यूनतम चौड़ाई 09 मीटर से घटाकर 4.5 मीटर करने का निर्णय लिया गया।
- पर्यावरण संरक्षण के तहत गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल और दुमका वन प्रमंडल में दो नए चिड़ियाघर बनाने की मंजूरी दी गई। साथ ही झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण का दायरा पूरे राज्य तक बढ़ाने का फैसला किया गया।
- कल्याण विभाग के छात्रावासों का संचालन अब गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया। इनका चयन जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता वाली समिति करेगी।
- सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 योजना के तहत टेक होम राशन उपलब्ध कराने वाली एजेंसी को नया टेंडर होने तक सेवा विस्तार देने का निर्णय लिया गया।

जनजातीय समुदाय के बीच पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, इन्यूमरेशन फॉर्म भरने के लिए किया प्रेरित

मतदान प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का संवैधानिक अधिकार, मतदाता सूची से जुड़कर अपना मताधिकार सुरक्षित करें : के. रवि

बिभा संवाददाता

खूँटी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को खूंटी जिले के भ्रमण के दौरान तोरपा, खूंटी एवं तमाड़ क्षेत्र के जनजातीय समुदाय के लोगों से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोग इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा नहीं कर रहे हैं। इस पर उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर मतदाता सूची से जुड़ने और इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अपने-अपने बीएलओ को जमा करने की अपील की।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना उसका संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी की पहली शर्त मतदाता सूची में नाम दर्ज होना है, इसलिए कोई भी पात्र नागरिक इस अधिकार से वंचित न रहे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, आदिम जनजाति (पीवीटीजी) एवं अन्य जनजातीय समुदायों के लोगों को फॉर्म भरने में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने वाले पात्र नागरिकों का नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

के. रवि कुमार ने राजनीतिक दलों, निर्वाचन पदाधिकारियों, बीएलओ, स्वयंसेवकों एवं अन्य संबंधित पक्षों से भी अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी मो. जावेद हुसैन, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बिभा संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त जावेद हुसैन ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत इन्यूमरेशन फेज की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की सम्पूर्ण जानकारी साझा की गई।

बैठक में उपायुक्त ने बताया कि 22 जुलाई, 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर एवं बूथ लेवल एजेंट की तीसरी एवं अंतिम बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान चुनाव पाठशाला का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपने-अपने बीएलए-2 की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मतदाताओं को भी बैठक में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान बीएलओ एवं बीएलए-2 के माध्यम से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और समरुप व्यक्ति का सत्यापन कर अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके पश्चात 05 अगस्त, 2026 को मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के साथ इसका प्रकाशन किया जाएगा।

उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों एवं मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदाताओं द्वारा भरे एवं हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म संबंधित बीएलओ को समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि फॉर्म का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन एवं मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जा सके।

बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित उप निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दो बच्चों की दर्दनाक घटना की होगी जाँच, उपायुक्त ने की टीम गठित

खूँटी(बिभा) । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के कोटेंगसेरा में सोमवार को करंट की चपेट में आ जाने से दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि सात लोग घायल हैं। जिनका सदर अस्पताल खूँटी में उपचार चल रहा है। जो अब खतरे से बाहर हैं। वहीं इस बड़ी घटना पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा समेत कई लोगों ने दुःख जताया है और संवेदना व्यक्त करते हुए मामले को गम्भीरता से लिया है। अर्जुन मुंडा ने एक्स सोशल मीडिया के माध्यम से गंभीर घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए उपायुक्त को भी ट्वीट किया है और जिला प्रशासन निर्देशित किया है कि सभी घायलों को सही इलाज कराए और पीड़ित परिवार को तत्काल त्वरित सहायता प्रदान करें। वहीं विद्यालय के मध्यावकाश के समय बच्चों का विद्यालय से दूर चला जाना और फिर तार का झूलना इसपर बातें उठ रही है। जिसके लेकर उपायुक्त जावेद हुसैन ने जाँच टीम गठित की है। जो अनुसंधान करेंगे और इस पर कार्रवाई करेंगे। इस मामले पर उपायुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना हुई है । इससे हम सभी मर्माहत हैं। इसके लिए जाँच दल गठित किया गया है जो क्षेत्र व घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे। जो भी दोषी होगा उसपर कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड 13 में सायती देवी बनी स्वास्थ्य सहिया पार्षद की उपस्थिति में हुआ चयन

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 में वार्ड पार्षद जूही प्रियंका के आवास पर मंगलवार को उक्त क्षेत्र की सहिया के चयन किया गया। उक्त चुनाव प्रक्रिया के लिए नगर पंचायत क्षेत्र के (प्रखंड) तकनीकी दल के सदस्यों और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रतिनिधि की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूरी प्रक्रिया का संचालन निर्धारित नियमों के अनुसार किया गया। चुनाव में कई दावेदार खड़ी थी। जिसमें सायती देवी को सहिया पद के लिए चुनाव किया गया। उनके चयन के बाद अब वार्ड संख्या 13 में स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों, जनस्वास्थ्य जागरूकता, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी वे निभाएंगी। वार्ड पार्षद जूही प्रियंका ने सायती देवी को बधाई देते हुए कहा कि उनके चयन से वार्डवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सहिया पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। कार्यक्रम शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रतिनिधि, सहिया साथी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को नियोजित करने के लिए 16 मामलों पर की गयी समीक्षा

खूंटी(बिभा) । सरकारी सेवकों के असामयिक निधन होने पर उनके आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति प्रदान किए समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला अनुकंपा समिति की बैठक की गई। बैठक में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति प्रदान किए जाने से संबंधित मामलों पर कार्य प्रगति पर समीक्षा किया गया । बैठक के दौरान शिक्षा, पशुपालन, पेयजल एवं स्वच्छता, पथ प्रमंडल, अंचल कार्यालय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 16 मामलों पर समिति द्वारा अभिलेखों एवं आवश्यक दस्तावेजों के अनुसार आवश्यक निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने कहा कि विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। इससे अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होगा तथा पात्र लाभुकों के पक्ष में समयबद्ध निर्णय लिया जा सकेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला स्थापना उप समाहर्ता-सह-जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग धर्मेंद्र किशोर सिंह सहित समिति के अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

नगर निगम ने हटिया मार्केट की चार दुकानें की सील

धनबाद(बिभा)। धनबाद नगर निगम ने वर्षों से किराया बकाया रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को निगम की टीम ने हटिया मार्केट की चार दुकानों को सील कर दिया। इन दुकानों पर पिछले चार से पांच वर्षों से किराया बकाया था। कार्रवाई के दौरान बाजार में काफी देर तक हलचल का माहौल बना रहा। निगम ने साफ कर दिया है कि बकाया किराया नहीं चुकाने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नगर निगम की प्रशासनिक टीम अधिकारियों की मौजूदगी में हटिया मार्केट पहुंची और बकाया किराया नहीं चुकाने वाली चार दुकानों को सील कर दिया। बताया गया कि इन दुकानदारों पर पिछले चार से पांच वर्षों का किराया बकाया था। कार्रवाई के दौरान बाजार में लोगों की भीड़ जुट गई और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। नगर निगम के अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को दो से तीन बार नोटिस जारी कर बकाया किराया जमा करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। बावजूद इसके जब किराया जमा नहीं किया गया, तो निगम ने नियमानुसार दुकानों को सील करने की कार्रवाई की।

इंटरनेट सेवा बाधित होने पर पहाड़ चढ़कर किया जा रहा एसआईआर का ऑनलाइन कार्य

विपरीत परिस्थितियों में भी समय पर पूरा होगा एसआईआर कार्य : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ), सुपरवाइजर एवं अन्य कर्मी निर्धारित समय सीमा तक ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए लगातार कार्यरत हैं। हालांकि, अड़की प्रखंड के कई दुर्गम क्षेत्रों में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से कर्मियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर ऑनलाइन डेटा अपलोड करने के लिए उन्हें पहाड़ों और ऊंचे स्थानों तक जाना पड़ रहा है, जहां किसी तरह मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध हो पाता है।

उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने कहा कि जिले के बीएलओ विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। खूँटी के दुर्गम इलाकों में विशेष शिविर लगाकर एसआईआर अभियान को गति दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से निर्धारित समय सीमा के भीतर एसआईआर कार्य पूरा कर लिया जाएगा। वहीं उन्होंने इस चुनौती पूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए बीएलओ और सुपरवाइजर की सराहना की है।

अड़की प्रखंड के तिरला पंचायत सहित दक्षिणी अड़की के कई गांवों में न तो मोबाइल टावर का सिग्नल मिलता है और न ही इंटरनेट सेवा सुचारु रूप से उपलब्ध है। इसके अलावा अशिक्षा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां भी अभियान को चुनौतीपूर्ण बना रही हैं।

बीएलओ सुपरवाइजर बिरेंद्र राय सिंह ने बताया कि कई गांवों में ऑनलाइन कार्य करने के लिए पहाड़ी या अन्य ऊंचे स्थानों पर जाना पड़ता है, क्योंकि गांवों में नेटवर्क बिल्कुल नहीं मिलता। बारिश के मौसम में यह कार्य और अधिक कठिन हो जाता है। इसके बावजूद बीएलओ पूरी जिम्मेदारी के साथ घर-घर पहुंचकर प्रपत्र भरवा रहे हैं और नेटवर्क उपलब्ध होने वाले स्थानों पर जाकर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं, ताकि एसआईआर अभियान समय पर सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

राहुल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने लोकभवन के समक्ष दिया धरना

बिभा संवाददाता

रांची। नीट पेपर लीक को लेकर नई दिल्ली जुटे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाइ, राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार की रात में रांची के लोकभवन के पास धरना दिया।

धरने का नेतृत्व पार्टी के झारखंड प्रभारी के राजू ने किया। मौके पर उन्होंने नीट पेपर लीक के विरोध में नई दिल्ली में जुटे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने पार्टी के नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। धरने में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, मंत्री राधा कृष्ण किशोर, इरफान अंसारी, कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद, विधायक राजेश कच्छप, सुरेश बैठा, अनूप सिंह, बंधु तिर्की, नमन बिक्सल कोंगाडी, राजेश ठाकुर, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ एम तौसीफ, आलोक कुमार दूबे, राजीव रंजन प्रसाद, आदित्य विक्रम जायसवाल, आभा सिन्हा, जयशंकर पाठक, डॉ कुमार राजा, राजेश गुप्ता छोटू सहित पार्टी के दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

एके राय की पुण्यतिथि पर नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

धनबाद। धनबाद के जननेता, तीन बार सांसद और तीन बार विधायक रहे एके राय की सातवीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नूतनडीह मोड़ स्थित केंद्रीय अस्पताल परिसर के समीप उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उनके संघर्षपूर्ण जीवन को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि एके राय का सादगीपूर्ण और सिद्धांतवादी जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा है। एके राय स्मारक समिति की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में निरसा विधायक अरूप चटर्जी, टुंडी विधायक मथुरा महतो, कांग्रेस नेता वैभव सिन्हा, समिति के अध्यक्ष हरिप्रसाद पप्पू सहित कई गणमान्य लोगों ने एके राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उनके विचारों और जनसंघर्षों को याद करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया।

झमाझम बारिश से डाक-बंगला रोड में घुटनों भर पानी, राहगिरों के लिए बना जहमत

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले भर में मंगलवार को मूसलाधार बारिश से खेतों में जान ला दिया। लेकिन इसी बीच शाम में लगभग दो घंटा लगातार हुई झमाझम बारिश ने नगर की जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। भगत सिंह चौक स्थित डाक-बंगला सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नालियों की बजाय बारिश का पानी सड़कों पर बहता रहा, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया। जहाँ नाली निर्माण के लिए ठीकेदारी तो हुई पर पानी नाली के अंदर नहीं बल्कि सड़कों पर बहता है। स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासन से जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

इस बारिश के कारण भगत सिंह चौक के डाक-बंगला सड़क पर घुटनों तक पानी जमा हो गया। सड़क पूरी तरह जलमग्न होने से पैदल राहगीरों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी नालियों में जाने के बजाय सड़कों पर बहता रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बन जाती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों ने नगर प्रशासन से शीघ्र जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कर जलजमाव की समस्या से राहत दिलाने और स्थायी समाधान की मांग की है।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में किसान पाठशाला, कर्रा (पार्क) के विकास को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

किसान पाठशाला को मॉडल कृषि प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करें : उपविकास आयुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला परिषद् सभागार में मंगलवार को उप विकास आयुक्त सह जिला परिषद् के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, प्रवीण कुमार प्रकाश की अध्यक्षता में किसान पाठशाला, कर्रा (पार्क) के विकास एवं संचालन को लेकर चर्चा किया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त ने किसान पाठशाला, कर्रा (पार्क) को जिले का एक मॉडल कृषि प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कार्यकारी एजेंसी द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों का जानकारी लिया गया। पार्क में किसानों के लिए व्यवहारिक एवं आधुनिक कृषि प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित एजेंसी को किसान पाठशाला में प्रस्तावित सभी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत कार्ययोजना का प्रारूप तैयार कर एक सप्ताह के भीतर समर्पित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर अपने-अपने विभागों से किए जाने वाले कार्यों एवं नवाचार आधारित गतिविधियों का प्रारूप तैयार कर एजेंसी को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया।

बैठक में कहा गया कि किसान पाठशाला, कर्रा को मॉडल स्वरूप प्रदान किए जाने से जिले सहित राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के किसान यहां व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर आधुनिक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य कृषि आधारित गतिविधियों की उन्नत तकनीकों से परिचित हो सकेंगे, जिससे उनकी आजीविका एवं कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी।

बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला अभियंता, जिला परिषद्, अंचल अधिकारी कर्रा, कार्यपालक अभियंता (विद्युत आपूर्ति प्रमंडल), निदेशक/उप निदेशक आत्मा, परियोजना पदाधिकारी, जिला परिषद्, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर एवं वैज्ञानिक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी जेएसएलपीएस, टीम लीडर प्रदान, टेक्नोवेल सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्रा. लि., रांची के सचिव, परियोजना प्रबंधक किसान पाठशाला, कर्रा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

श्रावणी मेला के सफल आयोजन को लेकर डीसी ने बासुकीनाथ धाम का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित आयोजन को लेकर डीसी अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ पहुंचकर मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन, रूट लाइन, आवासन, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित मेला आयोजन से जुड़ी विभिन्न तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी ने बेदिया, दर्शनिया टीकर, तारा मंदिर होते हुए रूट लाइन, शिवगंगा सहित सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें सुगमतापूर्वक एवं सुरक्षित तरीके से बाबा बासुकीनाथ का दर्शन एवं जलार्पण कराया जाए।

रूट लाइन में श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करें। डीसी ने टेंट सिटी एवं अन्य आवासन केंद्रों का भी निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के ठहरने वाले सभी आवासन केंद्रों में पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ एवं कार्यशील शौचालय, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट सहित अन्य सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्धता को निर्देश दिया।

आवासन केंद्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने और उनकी नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बासुकीनाथ पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जाए। भीड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति के साथ आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

डीसी ने मेला क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पूरे मेला अवधि के दौरान नियमित रूप से सफाई कार्य कराया जाए। कूड़ा-कचरा का त्वरित उठाव एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित हो। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था की लगातार निगरानी करने एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

वहीं रूट लाइन में पेयजल एवं चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता को लेकर भी उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रूट लाइन में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था रहे और श्रद्धालुओं के लिए मेडिकल टीम, आवश्यक दवाइयां एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध हो। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बेहतर एंबुलेंस व्यवस्था को भी सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीसी ने मेला क्षेत्र में निमार्णाधीन टेंट अस्पताल का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही, अग्निशमन व्यवस्था को भी पूरी तरह दुरुस्त और सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया। उन्होंने मेला क्षेत्र में लगाए जा रहे सूचना एवं सहायता केंद्रों को भी प्रभावी बनाने का निर्देश दिया, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को रूट, आवासन, चिकित्सा, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित जानकारी आसानी से मिल सके। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए पर्याप्त संख्या में सहायता कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com